छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

RNI Reg. No.-CHHHIN/2009/36148
डाक पंजीयन क्र.-45/Surguja Dn/2024-26

वर्ष - 17 ■ अंक - 210 ■ अम्बिकापुर, गुरूवार 13 अगस्त 2026 पृष्ठ -8 ■ मूल्य - 1 रूपये

WWW.cgfrontline.com

नर्मदापुर पंचायत में 2.7 करोड़ से अधिक की वित्तीय गड़बड़ी

सरपंच-सचिवों को नोटिस, स्पष्टीकरण संतोषप्रद नहीं मिलने पर होगी अनुशासनात्मक कार्रवाई

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। जनपद पंचायत मैनपाट के ग्राम पंचायत नर्मदापुर के सचिव सिद्धार्थ प्रजापति के विरुद्ध विभिन्न माध्यमों से प्राप्त शिकायतों के संबंध में कलेक्टर अजीत वसंत के निर्देशानुसार जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विनय कुमार अग्रवाल द्वारा अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) सीतापुर की अध्यक्षता में 04 सदस्यीय जांच दल का गठन कर जांच की कार्रवाई की गई। इस संबंध में 'छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन' ने 11 अगस्त को प्रमुखता से समाचार प्रकाशित किया था। जांच में सामने आए तथ्यों के आधार पर गड़बड़ी का आंकड़ा करोड़ में पहुंच गया है।

जांच का मुख्य विषय ग्राम पंचायत नर्मदापुर के मूलभूत, 15वें वित्त योजना एवं स्वच्छ भारत मिशन तथा अन्य निर्माण कार्य की राशि वर्ष 2021-22 से वर्ष 2025-26 तक मनमाने ढंग से बिना ग्राम सभा के अनुमोदन तथा कार्य स्थल पर बिना कार्य किए राशि शत-प्रतिशत आहरण कर लगभग 2 करोड़ 70 लाख का दुरुपयोग/गबन कर अपने निजी स्वार्थ के लिये राशि का उपयोग किया जाना के संबंध में जांच की कार्रवाई की गई। जांच में ग्राम पंचायत नर्मदापुर के अभिलेखों से यह तथ्य सामने आया कि ग्राम पंचायत के सरपंच/सचिव द्वारा विभिन्न शासकीय योजनाओं की राशि रूपये 2,07,16,041.01 (दो करोड़ सात लाख सोलह हजार 41 रुपये) आहरण संबंधी गंभीर वित्तीय अनियमितता किया जाना पाया गया है।

विभिन्न फर्मों को भुगतान, काम शून्य

ग्राम पंचायतों के सरपंच, सचिव के द्वारा बिना किसी यथेष्ट प्रमाणक एवं मूल्यांकन, सत्यापन, नस्ती फाइल के अभाव में राशि का आहरण कर प्रभक्षण किया गया है, जिसमें सचिव सिकंदर प्रजापति के द्वारा रुपये 60.64 लाख, सचिव चन्द्रपाल सिंह के द्वारा रुपये 8.13 लाख, सचिव अनिल यादव के द्वारा रुपये 5.11 लाख, सरपंच गणेश नाग के द्वारा रुपये 5.11 लाख, सरपंच राजनाथ भैंसा के द्वारा रुपये 60.66 लाख एवं सरपंच ललिता भैंसा के द्वारा रुपये 7.89 लाख तथा विभिन्न वेंडरों (फर्म धनंजय सिंह, यादव इलेक्ट्रिकल्स, मां बंजारी ट्रांसपोर्ट, प्रकाश कुमार अम्बष्ट, जय पहाड़ी माता फ्लाई एस ब्रिक्स) को रुपये 40.78 लाख का भुगतान किया गया है, और कोई निर्माण कार्य नहीं कराया गया है।

तीन दिन के अंदर देंगे स्पष्टीकरण

इस प्रकार वित्तीय वर्ष 2016-17 से 2017-18 में राशि रूपये 10 लाख 22 हजार रुपये एवं वित्तीय वर्ष 2021-22 से 2024-25 में 1 करोड़ 76 लाख 28 हजार 823 रुपये तथा वर्तमान वित्तीय वर्ष 2025-26 में 20 लाख 65 हजार 218 रुपये का आहरण कर वित्तीय अनियमितता किया जाना पाया गया है। संबंधितों से राशि वसूली की कार्रवाई हेतु संबंधितों को अंतिम नोटिस जारी कर 03 दिवस के भीतर स्पष्टीकरण चाहा गया है। स्पष्टीकरण संतोषप्रद नहीं पाए जाने पर छ.ग. पंचायत राज अधिनियम 1993 के प्रावधान अनुसार राशि की वसूली के साथ-साथ सरपंच तथा सचिव के विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

सांसद को जनता ने आईना दिखाया, कलेक्टर मौके पर अफसरों के साथ पहुंचे

लुचकी घाट से खरसिया नाका चौक और गांधी चौक से रेलवे स्टेशन तक बनेगी सीसी सड़क

बारिश में डूबता था खरसिया नाका, अब होगा स्थायी समाधान, हटेगा अवैध अतिक्रमण

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। शहर के भारत माता चौक से दरिमा मोड़ तक सड़क की खस्ताहाल और पानी से भरी सड़क का वीडियो भेजकर आम लोगों ने आईना सरगुजा सांसद चिंतामणि महराज को दिखाया। इसके बाद नई दिल्ली में चल रहे संसद सत्र की जानकारी देते हुए उन्होंने इंटरनेट मीडिया के माध्यम से अवगत कराया कि, उन्होंने इसे तत्काल संज्ञान में लिया है, और कलेक्टर एवं एनएच के अधिकारियों को वीडियो भेजकर सड़क की स्थिति का निरीक्षण करने और शीघ्र मरम्मत कराने निर्देशित किया है। बुधवार को सरगुजा कलेक्टर अजीत वसंत अन्य जिम्मेदार अधिकारियों के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने सड़क की दुर्दशा को तो देखा ही, मानसून में बार-बार जलभराव से बनी रहने वाली परेशानी और खरसिया नाका चौक के बदतर हालात का स्थल निरीक्षण करके लुचकी घाट से खरसिया नाका तक राष्ट्रीय राजमार्ग पर जलभराव की समस्या के स्थायी समाधान के लिए शीघ्र सड़क निर्माण और प्रभावी जल निकासी व्यवस्था सुनिश्चित करने के कड़े निर्देश दिए।

कलेक्टर ने अधिकारियों से लुचकी घाट से खरसिया नाका चौक तक प्रस्तावित नवीन सड़क निर्माण के प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने निर्देशित किया कि निविदा प्रक्रिया पूरी हो चुकी है और कार्य मेसर्स जवाहरलाल गुप्ता, ठेकेदार को मिला है। इसे निर्धारित समय-सीमा में प्रारंभ कर गुणवत्ता के साथ जल्द पूर्ण कराया जाए। कलेक्टर ने कहा कि केवल सड़क निर्माण ही नहीं, साथ में जल निकासी की पुख्ता व्यवस्था भी जरूरी है। बारिश के दौरान आम नागरिकों को होने वाली परेशानी को देखते हुए तकनीकी परीक्षण कर विशेष कार्ययोजना बनाई जाए। निरीक्षण के दौरान अपर कलेक्टर सुनील नायक, एसडीएम बनसिंह नेताम, राष्ट्रीय राजमार्ग एसडीओ निखिल लकड़ा सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

अतिक्रमण हटाने और सर्वे के आदेश

कलेक्टर अजीत वसंत ने अंबिकापुर एसडीएम बनसिंह नेताम को शासकीय भूमि का सर्वे कर जल निकासी के लिए व्यवस्था बनाने के निर्देश दिए। साथ ही अवैध अतिक्रमण और जल संसाधन विभाग के नहर में अतिक्रमण का निरीक्षण कर तत्काल कार्रवाई करने को कहा।

सीसी रोड और ड्रेनेज बनाया जाएगा

राष्ट्रीय राजमार्ग के कार्यपालन अभियंता आर.डी. ताम्रे ने बताया कि लुचकी घाट से खरसिया नाका चौक तक और गांधी चौक से रेलवे स्टेशन तक सीसी रोड का निर्माण किया जाएगा। सड़क निर्माण के साथ जल निकासी की समुचित व्यवस्था भी की जाएगी, ताकि बारिश में सड़क पर पानी न भरे। कलेक्टर ने अधिकारियों को सभी कार्य तकनीकी मानकों के अनुरूप और समयबद्ध पूर्ण कराने तथा नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए।

समस्याओं के समाधान का हरसंभव प्रयास जारी रहेगा

सांसद चिंतामणि महराज ने इंटरनेट मीडिया के माध्यम से संदेश दिया है कि, आम जनता से जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए हरसंभव निरंतर प्रयास जारी रहेगा। हालांकि, सांसद महोदय पूर्व में भी सड़क की दुर्दशा दूर हो, इसके लिए तत्कालीन कलेक्टर के साथ धूल और गड्ढों से भरी अंबिकापुर-मनेन्द्रगढ़ सड़क का निरीक्षण स्वयं स्कूटी से सफर तय करके किए थे। इस दौरान सड़क की बदहाली से होने वाली आम जनता को परेशानी का उन्होंने एहसास भी किया। अब इस सड़क का कायाकल्प सीसी सड़क बनाकर किया जाना है, व्यवस्थित नाली बनेगी, जिससे उम्मीद है कि सड़कों पर भरे लबालब पानी का नजारा देखने को नहीं मिलेगा। लोगों को सुरक्षित आवाजाही की सुविधा मिलेगी।

कलेक्टर के 4 बड़े निर्देश

0 लुचकी घाट से खरसिया नाका, गांधी चौक से रेलवे स्टेशन तक सीसी रोड बनाएं।
0 तकनीकी परीक्षण कर विशेष कार्ययोजना बनाएं।
0 शासकीय भूमि और नहर में अवैध कब्जा हटाएं।
0 समय-सीमा में गुणवत्तायुक्त काम, नियमित निगरानी करें।

घर में खुद को बंद करके आग लगाया युवक, डॉयल-112 की तत्परता से बची जान

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। शहर के कोतवाली थाना अंतर्गत नवागढ़, महामाया मंदिर के पास एक व्यक्ति घर का दरवाजा बंद करके अज्ञात कारणों से खुद को आग के हवाले कर दिया। स्वजन ने जैसे-तैसे छप्पर तोड़कर युवक की जान बचाई और डॉयल 112 में इसकी सूचना दी। डॉयल-112 टीम ने मानवीय संवेदनशीलता और कर्तव्यनिष्ठा का परिचय देते हुए संकट की घड़ी में त्वरित सहायता उपलब्ध कराई और झुलसे व्यक्ति को तत्काल मेडिकल कॉलेज संबद्ध जिला अस्पताल पहुंचाया, जिससे उसे समय पर उपचार की सुविधा मिल पाई।

जानकारी के मुताबिक, 11 अगस्त को सेंट्रलाइज्ड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर, रायपुर से सरगुजा डीसीसी डॉयल-112 टीम को सूचना मिली कि नवागढ़, महामाया मंदिर के पास एक व्यक्ति आग से झुलस गया है, उसे तत्काल सहायता की जरूरत है। सूचना मिलते ही टीम ने बिना समय गंवाए कार्रवाई शुरू की और घटनास्थल पर तैनात पुलिस टीम को सक्रिय किया। डीआईजी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार अग्रवाल के निर्देशन व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एवं नोडल अधिकारी डॉयल-112 रितेश चौधरी के मार्गदर्शन में टीम ने आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई करते हुए उत्कृष्ट टीम वर्क दिखाया।

इनकी रही अहम भूमिका

डॉयल-112 कंट्रोल रूम में तैनात प्रधान आरक्षक संजीव कुमार त्रिपाठी एवं महिला आरक्षक मनीषा द्विवेदी ने घटना की गंभीरता को देखते हुए लगातार मॉनिटरिंग की। उन्होंने तुरंत 108 एंबुलेंस सेवा को घटनास्थल के लिए रवाना कराया और वरिष्ठ अधिकारियों को इसकी सूचना दी। इस दौरान घटनास्थल पर तैनात आरक्षक सुशील खेस और चालक पेंटेश्वर ने तत्परता दिखाते हुए आग से झुलसे पीड़ित को उसके स्वजन के साथ मेडिकल कॉलेज संबद्ध जिला अस्पताल पहुंचाया। यहां चिकित्सकों ने तत्काल उपचार प्रारंभ किया। कंट्रोल रूम की सतत मॉनिटरिंग, त्वरित समन्वय और ईआरव्ही टीम की समय पर कार्रवाई से पीड़ित को समय पर चिकित्सा सहायता मिल सकी।

टीव्ही देख रहे राइस मिल संचालक अचानक हुए बेहोश, हो गई मौत

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। पापकॉर्न खाते टीव्ही देख रहे राइस मिल संचालक की अचानक बेहोश हो गए, स्वजन उन्हें आननफानन में संजीवनी अस्पताल लेकर पहुंचे, यहां जांच के बाद चिकित्सक ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। संभावना हार्ट अटैक की बनी हुई है।

जानकारी के मुताबिक, मनेन्द्रगढ़ रोड निवासी राइस मिल के संचालक अनिल अग्रवाल 55 वर्ष, रोजाना की भांति मंगलवार की रात को खाना खाने के बाद दूध पिए और पापकॉर्न खाते टीव्ही देख रहे थे। इसके पहले सबकुछ सामान्य था। परिवार के अन्य सदस्य अपने-अपने काम में लगे थे। रात करीब 10 बजे वे अचानक खुद को असहज महसूस करने लगे। स्वजन कुछ समझ पाते, इसके पहले वे अचेत अवस्था में पहुंच गए। स्वजन उन्हें तत्काल शहर के संजीवनी अस्पताल लेकर पहुंचे, यहां चिकित्सक ने प्रारंभिक जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया, जिससे शोक की स्थिति बन गई। अस्पताल प्रबंधन की ओर से इसकी सूचना पुलिस को दी गई थी, जिस पर पुलिस ने मर्ग कायम करके बुधवार को मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद ही मौत के वास्तविक कारण का पता चल पाएगा।

सीजीपीएससी की तैयारी करने आई जशपुर की छात्रा ने की खुदकुशी

छटपटाते देखकर मकान स्वामी ने पड़ोसी की मदद से पहुंचाया अस्पताल

किराए के कमरे में रहकर कर रही थी पढ़ाई, स्वजनों का रो-रोकर बुरा हाल

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। शहर के गांधीनगर थाना क्षेत्र में किराए के मकान में एक युवती संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। वह कुछ दिन पहले ही सीजीपीएससी की तैयारी के लिए, जशपुर से अंबिकापुर आई थी।

मृतका तनुजा पैकरा, पिता बालसाय पैकरा 28 वर्ष, मूलतः जशपुर जिला के फरसाबहार की रहने वाली थी। बुधवार को सुबह मकान में रह रही एक अन्य छात्रा ने उसे संदिग्ध अवस्था में फांसी के फंदे पर देखा और मकान मालिक को इसकी सूचना दी। जब वे कमरे में पहुंचे तो छात्रा छटपटा रही थी, इसके बाद उन्होंने उसका पैर पकड़ लिया और एक पड़ोसी की मदद लेकर उसे तुरंत इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाए। यहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने अस्पताल से मिली सूचना पर मामले में मर्ग कायम कर लिया है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है। युवती ने किस वजह से यह कदम उठाया, इसका पता अभी नहीं चल सका है।

25 जुलाई को आई थी अंबिकापुर

तनुजा ने कॉलेज की पढ़ाई पूरी कर ली थी। वह सीजीपीएससी की तैयारी के उद्देश्य से बीते 25 जुलाई को अंबिकापुर आई थी। वह गांधीनगर के गांधी चौक के पास एक मकान में किराए का कमरा लेकर रह रही थी। इसी मकान में दूसरे कमरे में अन्य छात्राएं भी रहती थीं।

पुलिस और एसएफएल ने की जांच

सूचना पर गांधीनगर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और कमरे का बारीकी से जांच की। पुलिस ने मृतका का मोबाइल फोन जब्त किया है। संदेह की स्थिति नहीं बने, इसे देखते हुए एसएफएल टीम को भी मौके पर बुलाकर जांच कराया गया। अग्रिम जांच कार्रवाई में पुलिस लगी है।

शोकाकुल स्वजन ले गए शव

पुलिस ने घटना की सूचना तनुजा के स्वजन को दी। सूचना मिलते ही वे जशपुर से अंबिकापुर पहुंचे। बेटी की हापलत देखकर वे फफककर रो पड़े। पुलिस ने मृतिका के शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन को सौंप दिया है। शव लेकर स्वजन गृह ग्राम रवाना हो गए हैं। चले गए। छात्रा ने ऐसा कदम क्यों उठाया, इसे लेकर संशय की स्थिति बनी हुई है। स्वजन की ओर से भी किसी प्रकार संदेह या किसी पर आरोप फिलहाल नहीं लगाया गया है।

टेंट हाउस के गोदाम से 98 नग एल्युमिनियम का बर्तन चोरी

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। गांधीनगर थाना क्षेत्र के गोधनपुर स्थित आस्था मैरिज हॉल के गोदाम में चोरी की घटना सामने आई है। अज्ञात चोरों ने छत का एस्बेस्टस तोड़कर गोदाम में प्रवेश किया और 22 साल पुराना टेंट का सामान चोरी कर ले गए। जानकारी के मुताबिक, बृजेश सरदार निवासी सरगवां सरकारी सुअर फार्म ने बताया कि वे वर्ष 2004 से गोधनपुर में राजेश टेंट हाउस के नाम से आस्था मैरिज हॉल में टेंट का कारोबार करते आ रहे हैं, उसका सामान गोदाम में रखा था। 07 अगस्त को दोपहर करीब 03.30 बजे वे मैरिज हॉल से गोधनपुर हनुमान मंदिर के समिति वालों को भंडारा के लिए किराए में कढ़ाई, कुर्सी, चौकी देकर गोदाम का ताला बंद करके वे वापस घर आ गए थे। 09 अगस्त को शाम 06 बजे के लगभग अपने वाहन से गोदाम में किराए पर दिया हुआ सामान वापस रखने गए और गोदाम का ताला खोलकर अंदर घुसे तो गोदाम में रखा वर्ष 2004 में खरीदा हुआ एल्युमीनियम का गंज 30 नग, गंज का ढक्कन 18 नग, परात 08 नग, एल्युमीनियम के छोटे बर्तन 42 नग नहीं थे। गोदाम का दूसरा गेट अंदर से टूटा हुआ मिला। चोर छत पर लगे एसबेस्टस को तोड़कर अंदर घुसे और पुराने बर्तनों को चोरी करके ले गए। आसपास तलाश करने के बाद भी सामान का पता नहीं चलने पर मैरिज हॉल के संचालक ने गांधीनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस मामले में अग्रिम जांच कार्रवाई कर रही है।

डीएवी पब्लिक स्कूल बिश्रामपुर की टीम ने 2-1 से जीता मैच

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

विश्रामपुर। नगर के एकता स्टेडियम में आयोजित न्यू टैलेंट प्रोत्साहन कप फुटबॉल टूर्नामेंट का तीसरा क्वार्टर फाइनल में डीएवी पब्लिक स्कूल बिश्रामपुर और स्वामी आत्मानंद हिंदी माध्यम विश्रामपुर के बीच खेला गया। मैच में डीएवी पब्लिक स्कूल बिश्रामपुर 2-1 से मैच जीत लिया। आज मुख्य अतिथि के रूप में पुलिस अधीक्षक योगेश पटेल थे। अन्य अतिथियों में समाजसेवी नरसिंह नारायण सिंह व कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष नरेंद्र जैन ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर मैच शुरू कराया। खचाखच भरे एकता स्टेडियम में जिला सूरजपुर ड्यूज बाल क्रिकेट एसोसिएशन के मार्गदर्शन में संचालित टैलेंट हंट क्रिकेट अकादमी के खिलाड़ी व कोच ने पुलिस अधीक्षक से मुलाकात कर क्रिकेट प्रतिभाओं से अवगत कराया। जिला डयूज बाल क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव राजेश जैन ने बताया कि खेल सुविधाओं में किसी प्रकार की कमी नहीं होने देंगे। अक्टूबर में क्रिकेट का बड़ा टूर्नामेंट आयोजित कराया जाएगा। आज का दूसरा मैच पीएम श्री जयनगर और भटगांव के बीच खेला गया। आज के मैन ऑफ द मैच अथर्व यादव रहे। प्रश्नोत्तरी में कौटिल्य को टी-शर्ट देकर सम्मानित किया गया। मैच का लाइव प्रसारण प्रकाश कुर्रे ने की जबकि निर्णायक की भूमिका में जीशान, अंकुश, हॉलसलाम कुजूर ने निभाई।

वीबी-जी-रामजी से किराये के कमरे से अपने भवन तक पहुंची आंगनबाड़ी

★ सरुवत में संवर रहा नौनिहालों का बचपन ★ 47 बच्चों और 9 गर्भवती एवं शिशुवती माताओं को मिल रही पोषण, स्वास्थ्य और प्रारंभिक शिक्षा की बेहतर सेवाएं

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। कभी जिस आंगनबाड़ी के लिए किराये की जगह का सहारा लेना पड़ता था, आज उसी गांव के बच्चों के पास अपना भवन है। छत बदली है, तो उसके साथ बच्चों का माहौल भी बदला है। जगह बदली है, तो माताओं का भरोसा भी बढ़ा है। और एक भवन बना है, तो उसके साथ गांव की आने वाली पीढ़ी के लिए उम्मीद का एक नया ठिकाना भी तैयार हुआ है।

कभी किराये के कमरे में संचालित होने वाली आंगनबाड़ी अब अपने स्वयं के भवन में बच्चों के भविष्य की नींव मजबूत कर रही है। पहाड़ों के बीच बसे दूरस्थ गांव के बच्चों के लिए सुरक्षित और सुविधायुक्त आंगनबाड़ी भवन का सपना अब साकार हो चुका है। जनपद पंचायत वाड्रफनगर मुख्यालय से करीब 20 किलोमीटर दूर स्थित ग्राम पंचायत सरुवत में लंबे समय तक किराये के भवन में संचालित होने वाली आंगनबाड़ी अब अपने स्वयं के नए भवन में संचालित हो रही है। शासन की विभिन्न योजनाओं के अभिसरण और ग्राम पंचायत के प्रयासों से निर्मित इस भवन ने गांव के बच्चों और माताओं के लिए सुविधाओं की नई राह खोली है।

सरुवत में स्थायी आंगनबाड़ी भवन नहीं होने के कारण बच्चों और गर्भवती एवं शिशुवती माताओं को आंगनबाड़ी की सेवाओं का लाभ लेने में असुविधा होती थी। ऐसे में स्थायी भवन की आवश्यकता को प्राथमिकता देते हुए शासन की विभिन्न योजनाओं का संसाधनों का अभिसरण किया गया। वर्ष 2025-26 में विकसित भारत-जी राम जी योजना, 15वें वित्त आयोग और महिला एवं बाल विकास विभाग की योजनाओं को एक साथ जोड़कर सरुवत में 11.69 लाख की लागत से नवीन आंगनबाड़ी भवन स्वीकृत किया गया।

अभिसरण बना गांव की वर्षों पुरानी स्थायी समाधान

भवन निर्माण के लिए विकसित भारत-जी रामजी योजना से 8 लाख, 15वें वित्त आयोग से 1.69 लाख तथा महिला एवं बाल विकास विभाग से 2 लाख की राशि उपलब्ध कराई गई। अलग-अलग योजनाओं के अभिसरण से गांव की वर्षों पुरानी जरूरत का स्थायी समाधान किया गया।

दुर्गम पहाड़ी रास्तों के बीच समय से पहले बना बच्चों के विकास का सुरक्षित केंद्र

सरुवत का भौगोलिक क्षेत्र पहाड़ी और दुर्गम है। निर्माण सामग्री को भवन स्थल तक पहुंचाना भी चुनौतीपूर्ण था। कठिन रास्तों और प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद ग्राम पंचायत ने निर्माण कार्य को प्राथमिकता देते हुए इसे आगे बढ़ाया। निरंतर प्रयासों का परिणाम है कि नवीन आंगनबाड़ी भवन का निर्माण मार्च 2026 में निर्धारित समय से पहले पूरा कर लिया गया। अब यह भवन केवल बच्चों के बैठने की जगह नहीं, बल्कि उनके पोषण, स्वास्थ्य, प्रारंभिक शिक्षा और समग्र विकास के लिए एक सुरक्षित एवं सुविधायुक्त केंद्र बन गया है।

नए आंगनबाड़ी भवन में मिल रहा बेहतर सेवाओं का लाभ

सरुवत की नई आंगनबाड़ी में अब हर दिन बच्चों की चहल-पहल सुनाई देती है। यहां 6 माह से 6 वर्ष तक की उम्र के 47 बच्चे सीखते, खेलते और पोषण संबंधी गतिविधियों में शामिल होते हैं। इनके साथ 9 गर्भवती एवं शिशुवती माताएं भी आंगनबाड़ी की सेवाओं से जुड़ी हैं। इस छोटे से भवन से गांव के बच्चे, गर्भवती एवं शिशुवती माताओं के जीवन में सीधे बदलाव आया है।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती जयमुनी गोंड बच्चों और माताओं के साथ नियमित रूप से जुड़कर उन्हें आवश्यक सेवाएं उपलब्ध करा रही हैं। पहले जहां किराये के भवन में सीमित सुविधाओं के बीच आंगनवाड़ी संचालित होती थी, वहीं अब अपने भवन में बच्चों के लिए सीखने, खेलने और सहज माहौल में समय बिताने की बेहतर जगह है। नया भवन सिर्फ एक छत नहीं, बल्कि गांव के नौनिहालों के लिए ऐसा स्थान बन गया है, जहां पोषण के साथ सीखने और सुरक्षित वातावरण में आगे बढ़ने की शुरुआत होती है। माताएं भी अपने और अपने बच्चों से जुड़ी जरूरी सेवाएं आसानी से प्राप्त कर पा रही हैं।

मां की चिंता हुई कम, बेटी का बचपन हुआ और सुरक्षित

सरुवत की आंगनवाड़ी में आने वाली नन्ही वर्षा की मां श्रीमती राजमती के लिए नया भवन सिर्फ ईंट-पत्थर से बनी इमारत नहीं है। यह उस मां के मन का सुकून है, जिसे अब अपनी बच्ची को आंगनबाड़ी भेजते समय पहले जैसी चिंता नहीं रहती।

राजमती कहती हैं, पहले की तुलना में अब आंगनबाड़ी की सुविधा बहुत अच्छी हो गई है। अब बच्चों को यहां भेजने में किसी तरह की चिंता नहीं रहती। भवन और व्यवस्था दुरुस्त है, बच्चों के लिए सुरक्षित और अच्छा वातावरण मिल रहा है।

महाविद्यालय में नवप्रवेशी विद्यार्थियों का हुआ दीक्षारंभ संस्कार

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

विश्रामपुर। शासकीय महाविद्यालय बिश्रामपुर में सत्र 2026-27 के नवप्रवेशी विद्यार्थियों के लिए 11 अगस्त को दीक्षारंभ कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष व नपं शिवनंदनपुर अध्यक्ष रितेश जायसवाल रहे। अन्य अतिथियों के रूप में पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष राजेश यादव, नगर पंचायत उपाध्यक्ष दीपेंद्र सिंह चौहान, राजकिशोर चौधरी तथा सतीश तिवारी उपस्थित रहे। इस दौरान सत्र 2026-27 के नए ब्रांड एंबेसडर छात्र-छात्राओं के नामों की घोषणा भी की गई। प्राचार्य डीपी कोरी ने स्वागत भाषण देते हुए नवप्रवेशी विद्यार्थियों को नए शैक्षणिक सत्र के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 का संक्षिप्त परिचय देते हुए अपनी कविता के माध्यम से विद्यार्थियों को शिक्षा, अनुशासन और लक्ष्य के प्रति प्रेरित किया। मुख्य अतिथि रितेश जायसवाल ने कहा कि विद्यार्थी जीवन में अध्ययन को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों से ऐसा कार्य करने का आह्वान किया, जिससे महाविद्यालय और माता-पिता का नाम उच्च शिक्षा के क्षेत्र में गौरवान्वित हो। कार्यक्रम के तकनीकी सत्र में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के विभिन्न पहलुओं की विस्तार से जानकारी दी गई। सहायक प्राध्यापक मनीषा अंजलि तिर्की ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में नवाचार एवं शोध आधारित शिक्षा तथा शिक्षक मूल्यांकन सुधार के संबंध में जानकारी दी।

सहायक प्राध्यापक ज्ञानेश मुद्गल ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की पृष्ठभूमि तथा पुरानी और नई शिक्षा नीतियों के बीच के अंतर पर प्रकाश डाला। सहायक प्राध्यापक शशि शेखर कुमार एवं सहायक प्राध्यापक शैलेश सिंह ने महाविद्यालय स्तर पर पाठ्यक्रम से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां विद्यार्थियों को दीं। स्वरोजगार एवं आत्मनिर्भरता से संबंधित जानकारी जिला प्रशिक्षक सौरभ चटर्जी द्वारा प्रदान की गई। कार्यक्रम के दौरान अतिथियों ने महाविद्यालय परिसर में पौधरोपण भी किया गया।

सतत विकास के लिए विज्ञान एवं नवाचार पर जिला स्तरीय कार्यशाला संपन्न

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद रायपुर के निर्देशानुसार तथा जिला शिक्षा अधिकारी श्री मनीराम यादव के मार्गदर्शन में सेजस हिंदी माध्यम विद्यालय बलरामपुर में विज्ञान शिक्षकों की जिला स्तरीय दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में 10 अगस्त को हाईस्कूल एवं हायर सेकंडरी स्कूल तथा 11 अगस्त को मिडिल स्कूलों के कुल 175 विज्ञान शिक्षकों को प्रशिक्षित किया गया। भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा निर्धारित थीम 'सतत विकास के लिए विज्ञान एवं नवाचार' पर आधारित इस कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों में वैज्ञानिक चेतना विकसित करना और उन्हें स्थानीय समस्याओं के व्यावहारिक समाधान खोजने में सक्षम बनाना है।

175 विज्ञान शिक्षकों को मिला प्रशिक्षण

प्रशिक्षण के दौरान शिक्षकों को अपशिष्ट प्रबंधन, ऊर्जा अन्वेषण, जल संरक्षण, खाद्य-कृषि एवं स्वास्थ्य तथा भारतीय ज्ञान प्रणाली जैसे सब-थीम पर विस्तार से जानकारी दी गई।

द्वितीय सत्र में जिला शिक्षा अधिकारी श्री मनीराम यादव ने शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि विज्ञान एवं नवाचार के माध्यम से ही देश विकसित भारत की ओर अग्रसर होगा। उन्होंने शिक्षकों को शालाओं में जाकर विद्यार्थियों को बाल विज्ञान कांग्रेस में भाग लेने हेतु प्रेरित करने के निर्देश दिए। इस दौरान उपस्थित शिक्षकों को जानकारी दी गई कि बाल विज्ञान कांग्रेस के लिए 10 से 14 वर्ष (जूनियर) तथा 14 से 17 वर्ष (सीनियर) आयु वर्ग के विद्यार्थी 15 अगस्त तक ऑनलाइन पंजीयन करा सकते हैं।

इस दौरान उप संचालक पंचायत श्री गौरव साहू, शासकीय महाविद्यालय बलरामपुर के प्राचार्य प्रोफेसर एन. के. सिंह और शासकीय नवीन कन्या महाविद्यालय के प्राचार्य अगस्टिन कुजूर, जिला मिशन समन्वयक चंद्रभूषण प्रसाद गुप्ता सहित अन्य अधिकारी एवं शिक्षकगण उपस्थित थे।

मंत्री नेताम की पहल से बलरामपुर-रामानुजगंज में जल्द खुलेगा रेलवे रिजर्वेशन काउंटर

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। आदिम जाति और कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के लोगों की लंबे समय से चली आ रही महत्वपूर्ण मांग को प्रमुखता से उठाते हुए केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से आज सुबह दिल्ली में सौजन्य मुलाकात की। उन्होंने मांग पत्र प्रेषित कर बलरामपुर जिला मुख्यालय में शीघ्र रेलवे रिजर्वेशन काउंटर प्रारंभ कराने का आग्रह किया है। मंत्री रामविचार नेताम की मांग पर केन्द्रीय रेल मंत्री ने सहमति प्रदान करते हुए जल्द मांग पूरी करने का आश्वासन दिया। रेल्वे काउंटर बनने से हजारों यात्रों को राहत मिलेगी।

मंत्री नेताम ने अपने पत्र में उल्लेख किया है कि सरगुजा संभाग के अंतर्गत आने वाले बलरामपुर-रामानुजगंज जिले में रेलवे रिजर्वेशन काउंटर की सुविधा उपलब्ध नहीं होने से आम नागरिकों, विद्यार्थियों, नौकरीपेशा लोगों, व्यापारियों तथा मरीजों सहित हजारों यात्रियों को टिकट आरक्षण के लिए दूसरे शहरों का रुख करना पड़ता है। इससे समय और धन दोनों की अतिरिक्त हानि होती है तथा आम लोगों को अनावश्यक परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

उन्होंने कहा कि क्षेत्र के नागरिकों एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा लंबे समय से जिले में रेलवे रिजर्वेशन काउंटर खोलने की मांग लगातार की जा रही है। जनसंख्या, बढ़ती यात्रा आवश्यकताओं तथा क्षेत्रीय विकास को देखते हुए अब यह सुविधा उपलब्ध कराना अत्यंत आवश्यक हो गया है।

नेताम ने केंद्रीय रेल मंत्री से आग्रह किया है कि जनहित एवं जनभावनाओं को ध्यान में रखते हुए बलरामपुर जिला मुख्यालय में रेलवे रिजर्वेशन काउंटर खोले जाने के लिए आवश्यक निर्देश जारी किए जाएं। इससे जिले के हजारों यात्रियों को बेहतर रेलवे सेवाएं उपलब्ध होंगी और उन्हें आरक्षण के लिए दूर-दराज के शहरों की यात्रा नहीं करनी पड़ेगी।

धान बेचने की चिंता थी, कार्यालय की कतार में नहीं, अपने घर की चौखट पर मिला समाधान

★ बोगी बाई के लिएघर बनीं सरकारी सेवा का केंद्र, मौके पर हुआ एग्रीस्टेक पंजीयन ★ डिजिटल क्रॉप सर्वे और कृषि सुविधाओं की चिंता हुई दूर ★ डोर-टू-डोर एग्रीस्टेक पंजीयन से डिजिटल कृषि व्यवस्था से जुड़ रहे किसान

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। महादेवपुर की एक वृद्ध महिला किसान श्रीमती बोगी बाई के लिए आज उनके घर की चौखट ही सरकारी सेवा का केंद्र बन गई। उम्र का तकाजा और डिजिटल प्रक्रिया की जानकारी का अभाव उनके लिए एग्रीस्टैक पंजीयन में बाधा बन सकती थी, लेकिन प्रशासनिक टीम ने इस दूरी को ही खत्म कर दिया। टीम खुद उनके घर पहुंची और मौके पर ही एग्रीस्टैक पंजीयन की प्रक्रिया पूरी की। उम्र के इस पड़ाव पर खेती ही उनके जीवन का सहारा है। खेत में उगा धान पूरे साल की उम्मीद है। ऐसे में जब महादेवपुर की बोगी बाई को पता चला कि एग्रीस्टैक में पंजीयन नहीं होने पर डिजिटल क्रॉप सर्वे और कृषि से जुड़ी सुविधाओं का लाभ लेने में परेशानी हो सकती है, तो उनकी चिंता बढ़ गई। मन में सवाल था कि अब धान की बिक्री कैसे होगी और खेती से जुड़ी जरूरी सुविधाओं का लाभ कैसे मिलेगा। लेकिन उनकी इस चिंता का समाधान उन्हें कार्यालय की कतार में नहीं, अपने घर की चौखट पर मिला। महादेवपुर की वृद्ध महिला बोगी बाई के पास 6.87 हेक्टेयर भूमि है। उम्र अधिक होने के कारण डिजिटल प्रक्रिया उनके लिए चुनौती थी। एग्रीस्टैक पंजीयन नहीं होने से डिजिटल क्रॉप सर्वे और कृषि सुविधाओं से जुड़ने को लेकर उनकी चिंता बढ़ गई थी। टीम ने उनके घर पहुंचकर मौके पर ही प्रक्रिया पूरी की।

किसानों को डिजिटल कृषि व्यवस्था से जोड़ने के लिए कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी के मार्गदर्शन में डोर टू डोर पंजीयन सुनिश्चित की जा रही है। इसी कड़ी मे रामानुजगंज अनुभाग में डोर-टू-डोर एग्रीस्टैक पंजीयन अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत मैदानी अमला महादेवपुर पहुंचा और वृद्ध महिला किसान के घर जाकर आवश्यक जानकारी जुटाते हुए मौके पर ही एग्रीस्टैक पंजीयन की प्रक्रिया पूरी की। जिस डिजिटल प्रक्रिया को लेकर महिला किसान के मन में चिंता थी, जब पंजीयन टीम ने उनके घर पहुंचकर पूरी कराई तो उनके चेहरे पर राहत साफ नजर आई। अब उन्हें डिजिटल कृषि व्यवस्था से जुड़ने का अवसर मिला है और कृषि संबंधी सेवाओं तक पहुंच का रास्ता भी आसान हुआ है।

रामानुजगंज अनुभाग में एग्रीस्टैक पंजीयन को गति देने के लिए डोर-टू-डोर अभियान के तहत किसानों का पंजीयन किया जा रहा है। महादेवपुर में 159 किसानों की संख्या है जिनमे किसानों का पंजीयन किया जा चुका है। बकेटक्लेम में से 49 किसान है जिनका पंजीयन शीघ्र ही पूरा किया जाएगा। एग्रीस्टैक के माध्यम से किसानों की कृषि संबंधी जानकारी को डिजिटल व्यवस्था से जोड़ने का कार्य किया जा रहा है। अनुविभागीय अधिकारी, तहसीलदार, राजस्व अधिकारियों, द्वारा सतत फील्ड में जाकर निगरानी रखी जा रही है। कर्मचारियों एवं एग्रीस्टेक पंजीयन में लगी टीम मैदानी अमला शिविर, डोर-टू-डोर विजिट के माध्यम से घर घर तक पहुंच कर पंजीयन सुनिश्चित कर रही है

इससे डिजिटल क्रॉप सर्वे सहित कृषि योजनाओं और सुविधाओं की पहुंच को अधिक व्यवस्थित एवं सुगम बनाने में मदद मिलेगी।सरकार की डिजिटल व्यवस्था को किसान की सुविधा के अनुरूप बनाया जा रहा है।जहां एक वृद्ध किसान के लिए मोबाइल और ऑनलाइन प्रक्रिया कठिन हो सकती है, वहां शासन-प्रशासन की सुविधा खुद किसान की चौखट तक पहुंच रही ताकि कोई भी किसान सुविधाओं से वंचित न हो।

सार्थक बा.आ. अकादमी चयन ट्रायल में 70 प्रतिभागियों ने दिखाई प्रतिभा

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। खेल एवं युवा कल्याण विभाग तथा छत्तीसगढ़ प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में कलेक्टर श्रीमती रेना जमील के निर्देशानुसार बुधवार को स्वामी आत्मानंद हिंदी माध्यम स्कूल में सार्थक बालक आवासीय अकादमी चयन ट्रायल का आयोजन किया गया। चयन समिति के समक्ष जिले के 70 बाल प्रतिभागियों ने ट्रायल में हिस्सा लेते हुए अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया। ट्रायल के दौरान प्रतिभागियों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लेकर अपनी खेल क्षमता का परिचय दिया। ट्रायल के माध्यम से प्रतिभावान खिलाड़ियों का चयन कर उन्हें आगे बेहतर प्रशिक्षण उपलब्ध कराने तथा खेल के क्षेत्र में अवसर प्रदान करने की दिशा में कार्य किया जाएगा। ट्रायल के संचालन में खेल एवं युवा कल्याण विभाग की खेल अधिकारी श्रीमती आरती पाण्डेय, एमेच्योर वॉलीबॉल संघ के अध्यक्ष अजय गोयल, सचिव राम श्रृंगार यादव एवं वॉलीबॉल कोच राजनाथ गुप्ता सहित संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर दिनेश कुमार साहू, प्रधान पाठक मोतीलाल सिंह, व्यायाम शिक्षक आशा रजक, प्रधान पाठक रविन्द्र सिंह, प्रमोद कुमार, भुवन राजवाड़े, बलवीर सिंह एवं आशीष सहित खेल एवं युवा कल्याण विभाग के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

स्काउट-गाइड कार्यशाला सह बिगनर्स कोर्स का सफल आयोजन

ओवाईएमएस पंजीयन, चार्टर-वारंट एवं स्काउटिंग गतिविधियों की दी गई जानकारी

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रामानुजनगर।11 अगस्त को बीआरसी भवन रामानुजनगर में भारत स्काउट्स एवं गाइड्स स्थानीय संघ विकासखण्ड रामानुजनगर द्वारा कार्यशाला सह बिगनर्स कोर्स प्रशिक्षण का सफल आयोजन किया गया।कार्यक्रम राज्य मुख्य आयुक्त इंद्रजीत सिंह खालसा के निर्देशन एवं जिला शिक्षा अधिकारी पदेन जिला आयुक्त श्रीमती लता बेक के आदेशानुसार आयोजित हुआ। आयोजन में जिलाध्यक्ष शंकर यादव, जिला मुख्य आयुक्त रितेश गुप्ता के संरक्षण के साथ विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी सहायक जिला आयुक्त अवधेश साहू और जिला प्रतिनिधि डीओसी बेलभद्र देवांगन का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।

स्काउटिंग से मिलता है अनुशासन और सेवा भाव: बीईओ

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों के स्वागत और परिचय के साथ हुआ। विकासखण्ड सचिव विजेन्द्र साहू ने स्वागत उद्बोधन देते हुए स्थानीय संघ की गतिविधियों एवं वार्षिक प्रतिवेदन की जानकारी दी और विद्यालयों का पंजीयन कराया।विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी अवधेश साहू ने कहा कि स्काउट-गाइड की गतिविधियों में विद्यार्थियों में जोश, अनुशासन और सेवा भावना दिखाई देती है। विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में स्काउटिंग की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने शिक्षकों से विद्यालयों में नियमित रूप से स्काउटिंग गतिविधियों के संचालन का आह्वान किया और हर संभव सहयोग का भरोसा दिया।

बिगनर्स कोर्स और ओवाईएमएस पंजीयन पर विशेष फोकस

डीओसी बेलभद्र देवांगन ने बिगनर्स कोर्स के विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी।उन्होंने स्काउट-गाइड के उद्देश्य, दल पंजीयन, शनिवार को नियमित ट्रूप मीटिंग, बच्चों का प्रवेश, द्वितीय सोपान, तृतीय सोपान एवं राज्य पुरस्कार के चरणों के बारे में बताया।साथ ही शिक्षक प्रशिक्षण के अंतर्गत बिगनर्स, बेसिक, एडवांस एवं एचडब्ल्यूबी प्रशिक्षण की जानकारी दी।नन्द कुमार सिंह एवं आनंद राम साहू ने स्काउटिंग की प्रार्थना, नियम एवं प्रतिज्ञा के महत्व को समझाया। ओवाईएमएस पंजीयन पर विशेष जोर देते हुए स्काउट मास्टर योगेश साहू ने बताया कि संगठन से जुड़े प्रत्येक स्काउट एवं गाइड का ओवाईएमएस पोर्टल पर पंजीयन अनिवार्य है। उन्होंने यूनिट एवं सदस्यों के पंजीयन, चार्टर एवं वारंट बनाने तथा उनके नवीनीकरण की प्रक्रिया भी विस्तार से समझाई।

प्रमाण-पत्र वितरण और तिरंगा यात्रा

कार्यशाला के दौरान बिगनर्स कोर्स, चार्टर एवं वारंट के नवीन/नवीनीकरण के प्रमाण-पत्र वितरित किए गए। प्रमाण-पत्र पाकर शिक्षकों में उत्साह देखा गया। कार्यक्रम में गाइड कैप्टन धनसरी राजवाड़े, गुड्डी राही, स्काउट मास्टर जाकिर हुसैन, श्रीमती मंजू टोप्पो, श्रीकांत पांडेय, नितिन सिन्हा सहित विकासखण्ड के विभिन्न विद्यालयों से आए स्काउटर एवं गाइडर उपस्थित थे।कार्यशाला के समापन के बाद सभी प्रतिभागी स्काउट/गाइड के साथ विकासखण्ड स्तरीय तिरंगा यात्रा में शामिल हुए।

97 लाख 91 हजार रुपये की नकली नोट के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

500 रुपये की 19,582 नकली नोटें बरामद

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

वसई।नकली भारतीय करेंसी के बड़े नेटवर्क का पदार्फाश करते हुए वसई के क्राइम ब्रांच यूनिट-2 ने 97 लाख 91 हजार रुपये की नकली नोटों के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि इतनी बड़ी मात्रा में नकली करेंसी कहां से लाई गई और इसके पीछे किसी अंतरराज्यीय गिरोह का हाथ तो नहीं है। मिली जानकारी के अनुसार क्राइम डीसीपी संदीप डोईफोड़े के अनुसार,10 अगस्त 2026 को क्राइम ब्रांच यूनिट-2 वसई की टीम अपराधियों की निगरानी और पेट्रोलिंग कर रही थी।इसी दौरान गुप्त सूचना मिली कि एक व्यक्ति सफेद रंग की किआ सेल्टॉस कार क्रमांक टळ-48-इळ-8686 से शिरसाड फाटा पहुंचने वाला है।वह बड़ी मात्रा में नकली भारतीय नोट देकर उसके बदले असली नोटों का एक्सचेंज करने वाला था।सूचना मिलते ही क्राइम ब्रांच की टीम ने शिरसाड गांव में मुंबई-अहमदाबाद राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 48 पर मुंबई की तरफ जाने वाले सर्विस रोड स्थित प्रसाद ऑटो पाट्र्स दुकान के सामने जाल बिछाया।कुछ ही देर में संदिग्ध आरोपी (51) वर्षीय वहां पहुंचा। पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर तलाशी ली। तलाशी के दौरान उसके पास से 500 रुपये मूल्य की 19,582 नकली नोटें, यानी कुल 97 लाख 91 हजार रुपये की नकली भारतीय करेंसी बरामद हुई।

गद्दावर कांग्रेसी नेता के 23 वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

राजपुर। क्षेत्र के कद्दावर कांग्रेसी नेता एवं ब्लॉक कांग्रेस कमेटी राजपुर के पूर्व अध्यक्ष स्वर्गीय पुरुषोत्तम तिवारी की 23वीं पुण्यतिथि पर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी कार्यालय राजपुर में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। उपस्थित कांग्रेसजनों एवं परिजनों ने उनके छायाचित्र पर माल्यार्पण कर धूप-दीप प्रज्वलित कर दो मिनट का मौन धारण कर उन्हें श्रद्धासुमन उपरांत रामायण पाठ का आयोजन किया गया। इस अवसर पर स्व.पुरुषोत्तम तिवारी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को याद करते हुए वक्ताओं ने कहा कि उन्होंने अपना जीवन सामाजिक,सांस्कृतिक एवं राजनीतिक क्षेत्र में जनसेवा और संगठन को मजबूत करने के लिए समर्पित किया।वे क्षेत्र के लोगों से आत्मीय संबंध रखने वाले सहज,सरल और जनप्रिय व्यक्तित्व के धनी थे। कांग्रेस संगठन के प्रति उनकी निष्ठा,कार्यकर्ताओं के प्रति उनका स्नेह तथा समाज के हर वर्ग को साथ लेकर चलने की उनकी कार्यशैली आज भी कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणास्त्रोत बनी हुई है। स्व.तिवारी ने सामाजिक सरोकारों के साथ सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा देने और समाज में आपसी भाईचारा एवं सद्भाव कायम रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। राजनीतिक जीवन में उन्होंने कांग्रेस संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने, कार्यकताओं को जोड़ने तथा क्षेत्र की जनसमस्याओं को प्रमुखता से उठाने में सक्रिय योगदान दिया। उनके सेवा एवं समर्पण की स्मृतियां आज भी क्षेत्रवासियों और कांग्रेस कार्यकताओं के बीच जीवंत हैं। पुण्यतिथि के अवसर पर वर्षों से चली आ रही सेवा परंपरा को आगे बढ़ाते हुए बालक आश्रम एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र राजपुर में बच्चों,मरीजों एवं उनके परिजनों को फल वितरित किए गए।

महामना मालवीय फाउंडेशन ने विद्यार्थियों को दिया शिक्षा-संस्कार का संदेश

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सरगवा में महामना मालवीय फाउंडेशन के तत्वावधान में विद्यार्थियों के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को शिक्षा के प्रति प्रेरित करना, व्यक्तित्व विकास करना और नशे जैसी सामाजिक बुराइयों से दूर रहकर स्वस्थ एवं उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करना था।कार्यक्रम में फाउंडेशन के पदाधिकारियों और अतिथियों ने विद्यार्थियों को नियमित अध्ययन, अनुशासन, संस्कार और सकारात्मक सोच का महत्व बताया। नशा मुक्ति पर बोलते हुए वक्ताओं ने नशे के सामाजिक और व्यक्तिगत दुष्प्रभावों की जानकारी दी।उन्होंने विद्यार्थियों से नशे से दूर रहने और अपने आसपास के लोगों को भी इसके प्रति जागरूक करने का आह्वान किया।कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिसर में वृक्षारोपण भी किया गया। अतिथियों, प्राचार्य और शिक्षकों ने पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। विद्यार्थियों को लगाए गए पौधों की देखभाल और संरक्षण के लिए भी प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में महामना मालवीय फाउंडेशन के अध्यक्ष बी.एस. सिंह, सुरेंद्र गुप्ता, रणविजय सिंह तोमर, जी.डी. सिंह, हरिशंकर सिंह एवं द्विवेदी जी सहित प्राचार्य संजीव कुमार सिंह, श्रीमती पूर्णिमा अवस्थी, अशोक राय, श्रीमती सुजाता सिंह, श्रीमती प्रमिला शर्मा, श्रीमती प्राची सिंह और अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। अतिथियों ने विद्यार्थियों को शिक्षा, संस्कार, पर्यावरण संरक्षण एवं नशा मुक्ति के महत्व को अपने जीवन में अपनाने की सलाह दी।

रमकोला हाथी रेस्क्यू सेंटर में मनाया गया विश्व हाथी दिवस

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

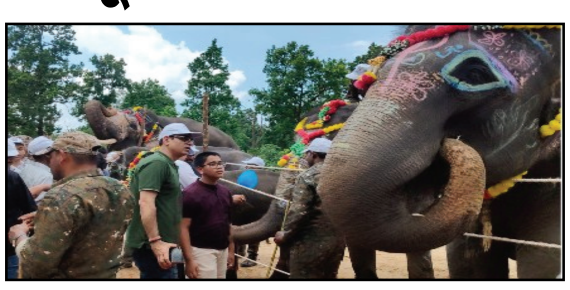

प्रतापपुर। दुनियाभर में 12 अगस्त को विश्व हाथी दिवस के रूप में मनाया जाता है।इसी कड़ी में सूरजपुर जिले के रमकोला से लगे हाथी रेस्क्यू सेंटर में उत्सवपूर्ण माहौल में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पुलिस महानिरीक्षक दीपक झा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उनके साथ स्कूली बच्चे और आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में ग्रामीण जन भी पहुंचे। मुख्य अतिथि एवं अन्य अतिथियों ने अधिकारियों-कर्मचारियों के साथ हाथियों की पूजा-अर्चना की। सभी कुमकी हाथियों को फूल-माला पहनाकर आकर्षक तरीके से सजाया गया।हाथियों को उनका पसंदीदा भोजन गन्ना, पपीता, अनानास, केला, कटहल, नारियल, खिचड़ी, मिठाई, गुड़, मिक्स उबला हुआ मीठा अनाज और अन्य लजीज व्यंजन खिलाए गए।साथ ही विभाग द्वारा हाथियों का स्वास्थ्य परीक्षण भी किया गया। विश्व हाथी दिवस पर विभाग द्वारा निबंध और चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।इसमें प्रथम और द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले बच्चों को अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया। आईजी दीपक झा ने कहा कि अब गुरु घासीदास तमोर पिंगला टाइगर रिजर्व बनने से आने वाले समय में यह क्षेत्र भारत का तीसरा सबसे बड़ा बाघ अभ्यारण्य के रूप में जाना जाएगा।इससे क्षेत्र का पर्यटन विकसित होगा और स्थानीय लोगों को रोजगार मिलेगा। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में पद्मश्री माता राजमोहिनी देवी के आशीर्वाद से यह कार्य हो रहा है।₹गांव में हम हाथी को गणेश देवता के रूप में पूजते हैं।₹ रमकोला के घने जंगलों के बीच बसा यह रेस्क्यू सेंटर दूर-दूर से आने वाले पर्यटकों को आकर्षित करता है। रेंजर अजय सोनी ने बताया कि यहां पर्यटकों के लिए सभी सुविधाओं का इंतजाम किया गया है।टाइगर रिजर्व बनने के बाद यहां और सुविधाएं बढ़ेंगी जिससे युवाओं के लिए रोजगार और पर्यटन की असीम संभावनाएं खुलेंगी। कार्यक्रम में जनपद अध्यक्ष सखमनियां आयाम, जिला पंचायत सदस्य लवकेश पैंकरा, लालती मरावी, चंद्रिका यादव, शिवकुमार यादव, हेमकल्याण सिंह, राजकुमारी मरावी, धनसाय मरावी सहित मुख्य वन संरक्षक दिलराज प्रभाकर, प्रोजेक्ट एलिफेंट के मुख्य वन संरक्षक प्रणय मिश्रा, उपनिदेशक श्रीनिवास तन्नेटी, अधीक्षक विजय भूषण, आशुतोष भगत, गेम रेंजर अजय सोनी, विनय टंडन, मोहन राम भगत सहित अन्य अधिकारी, कर्मचारी और जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

एसएसपी ने लंबित केस, म्यूल अकाउंट, गुमशुदा खोज अभियान पर दिए कड़े निर्देश

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा राजेश कुमार अग्रवाल ने सोमवार को पुलिस को-ऑर्डिनेशन के सभाकक्ष में राजपत्रित पुलिस अधिकारियों समेत समस्त थाना/चौकी प्रभारियों की अपराध समीक्षा बैठक ली। बैठक में लंबित अपराध, चालान, मर्ग, शिकायत, म्यूल अकाउंट और पीओएस के मामलों की समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। उन्होंने थानावार लंबित अपराध, चालान, शिकायत और मर्ग की जानकारी लेकर समीक्षा की।म्यूल अकाउंट एवं पीओएस के लंबित मामलों में त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। विवेचकों को प्रकरण अनावश्यक लंबित न रखने की सख्त हिदायत दी गई। फरार आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी सुनिश्चित करने को कहा गया। थाना/चौकी प्रभारियों को एनएएफआईएस में एंट्री बढ़ाने और गिरफ्तार व्यक्तियों का डिजिटल रिकॉर्ड सिस्टम में अपडेट करने के निर्देश भी दिए।

बैठक में गुमशुदा व्यक्तियों की खोज के लिए पुलिस मुख्यालय द्वारा चलाए जा रहे अभियान मुस्कान एवं तलाश को गंभीरता से लेने के निर्देश दिए। अधिक से अधिक गुमशुदा व्यक्तियों की तलाश करने कहा गया। सड़क दुर्घटनाओं में प्रभावी कमी लाने के लिए शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर सख्त कार्रवाई करने कहा गया। यातायात नियमों की अवहेलना करने वालों के खिलाफ अभियान चलाने के निर्देश दिए। वित्तीय संस्थानों की सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु थाना/चौकी प्रभारियों को आभूषण दुकानों, राष्ट्रीयकृत और निजी बैंकों, एटीएम की लगातार औचक चेकिंग करने कहा गया। थाना/चौकी प्रभारी स्वयं फील्ड में मौजूद रहकर विजीबल पेट्रोलिंग करने कहा। बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रितेश चौधरी, नगर पुलिस अधीक्षक राहुल बंसल, उप पुलिस अधीक्षक लाइन अमृत कुजूर, पुलिस अनुविभागीय अधिकारी ग्रामीण तूल सिंह पट्टावी, स्टेनो फबियानुस तिर्की, साइबर सेल प्रभारी अजीत मिश्रा, रीडर अमित पाण्डेय सहित समस्त थाना/चौकी प्रभारी उपस्थित रहे।

जिओ नेटवर्क का बुरा हाल, प्रतापपुर में चार घंटे हुआ धरना प्रदर्शन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

प्रतापपुर।जिओ नेटवर्क की लगातार खराब सेवा से परेशान होकर प्रतापपुर में सामाजिक कार्यकताओं ने करीब 4 घंटे तक धरना प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि क्षेत्र में 5जी के नाम पर 4जी भी ठीक से नहीं चल रहा, कॉल ड्रॉप और नेटवर्क गायब होना आम बात हो गई है।

एसडीएम को आवेदन के बाद भी नहीं हुआ सुधार

जिशान खान ने एक सप्ताह पहले एसडीएम को आवेदन देकर नेटवर्क सुधार की मांग की थी। मांग पूरी न होने पर मंगलवार को जिशान खान, राकेश मित्तल, मासूम इराकी और राजा खान ने जिओ कंपनी के स्टोर के बाहर धरना शुरू कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि प्रतापपुर क्षेत्र में 100% लोग जिओ सिम का उपयोग करते हैं। ऐसे में नेटवर्क ठप होने से आम नागरिकों के साथ-साथ शासकीय कार्यालयों और अधिकारियों का काम भी प्रभावित हो रहा है।राकेश मित्तल ने कहा - ₹हम रिचार्ज के रूप में पूरा पैसा देते हैं तो सुविधा भी पूरी मिलनी चाहिए। बिजली जाते ही नेटवर्क भी गुल हो जाता है। कंपनी सिम और रिचार्ज के बाद अपनी जिम्मेदारी से नहीं भाग सकती।

तहसीलदार ने दिया आश्वासन, फिर खत्म हुआ धरना

धरना स्थल पर तहसीलदार सुरेश राय और थाना प्रभारी नरेंद्र सिंह पहुंचे। तहसीलदार ने प्रदर्शनकारियों की बात सुनी और कहा कि वे उच्च अधिकारियों को पूरी स्थिति से अवगत कराएंगे। उन्होंने कहा कि जिओ कंपनी से बात हो चुकी है। अगर नेटवर्क में सुधार नहीं हुआ तो प्रशासन कंपनी को नोटिस सहित आवश्यक कार्रवाई करेगा। तहसीलदार के आश्वासन के बाद 4 घंटे से ज्यादा चला धरना समाप्त हुआ।

कंपनी ने कहा - समस्या का समाधान कर दिया

धरना के दौरान जिओ कंपनी की ओर से थाना प्रभारी को पत्र सौंपा गया। पत्र में कहा गया कि प्रतापपुर क्षेत्र में नेटवर्क से संबंधित समस्या थी जिसके कारण सेवा प्रभावित हुई थी। अब समस्या का पूर्ण समाधान कर दिया गया है और सेवाएं सामान्य हैं।

नवा बिहान टीम ने नवपदस्थ एएसपी से की मुलाकात, समाजहित के कार्यों को किया साझा

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। नवा बिहान नशामुक्ति जागरूकता अभियान एवं परामर्श केंद्र सरगुजा के सदस्यों ने नव पदस्थ अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सरगुजा रितेश चौधरी से सौजन्य मुलाकात की। अभियान के संयोजक मंगल पाण्डेय के नेतृत्व में टीम ने एएसपी को केंद्र के क्रिया-कलापों से अवगत कराया। इस अवसर पर एएसपी विशेष शाखा अमोलक सिंह ढिल्लो भी उपस्थित रहे।

नव पदस्थ एएसपी रितेश चौधरी से मुलाकात के दौरान केंद्र के समन्वयक अनिल कुमार मिश्रा ने सभी सदस्यों का परिचय कराया और उनके अनुभव साझा कराए। उन्होंने बताया कि नवा बिहान अभियान के तहत नशामुक्ति, साइबर अपराध, साइबर सुरक्षा एवं यातायात नियमों पर शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार जागरूकता कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। साथ ही नशे की लत से छुटकारा चाहने वाले पीड़ितों की काउंसलिंग भी की जा रही है।उन्होंने कहा कि तत्कालीन एएसपी अमोलक सिंह ढिल्लो के दिशा-निर्देश में यह अभियान निर्वाध रूप से चलता रहा है। आगे भी यह अभियान जिले और समाज के हित में गतिमान रहेगा, अपेक्षा है।

पुलिस अधिकारियों ने की सराहना

एएसपी विशेष शाखा अमोलक सिंह ढिल्लो ने कहा कि यह अभियान निश्चित रूप से प्रभावी रहा है। सरगुजा पुलिस और जिले के स्वैच्छिक संगठनों के संयुक्त तत्वावधान में संचालित यह अभियान एक अभिनव पहल है, जिसे समुदाय, मीडिया, जनप्रतिनिधियों और संबंधित विभागों से भरपूर सहयोग मिल रहा है। नव पदस्थ एएसपी रितेश चौधरी ने नवा बिहान टीम के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि आगे भी यह अभियान निर्वाध रूप से संचालित होता रहेगा।

18 अगस्त को शपथ कार्यक्रम

बैठक में नशामुक्त भारत अभियान के अंतर्गत 18 अगस्त को आयोजित होने वाले राष्ट्रीय नशा विरोधी शपथ कार्यक्रम पर भी चर्चा हुई। एएसपी ने बेहतर क्रियान्वयन के लिए टीम से सुझाव मांगे। उपस्थित सभी सदस्यों ने कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु अपने सुझाव दिए।इस दौरान केंद्र की वरिष्ठ सदस्य राजयोगिनी बीके विद्या, वन्दना दत्ता, वरिष्ठ समाजसेवी अजय तिवारी, उप निरीक्षक अभय तिवारी, अधिवक्ता विजय शंकर तिवारी, साहित्यकार कवि संतोष दास सरल, डॉ. अंचल सिन्हा, अमृत लाल प्रधान, हिना खान, रीना ठाकुर एवं संतोष कुमार विश्वकर्मा उपस्थित रहे।

सम्पादकीय

युवाओं के सब्र का इम्तिहान न लें सरकारें

नीट के बाद अब झारखंड की जेपीएससी-जेएसएससी परीक्षा में सामने आ रहे विवादों ने देश की भर्ती व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। रांची में सोमवार को जो हुआ, वह केवल छात्रों और पुलिस के बीच टकराव की घटना नहीं है, बल्कि उस बढ़ते आक्रोश का संकेत है जो देश के युवाओं के भीतर लगातार जमा हो रहा है। झारखंड में हजारों छात्र पिछले 17 दिनों से परीक्षा में कथित धांधली के खिलाफ आंदोलन कर रहे थे। जब उनकी आवाज नहीं सुनी गई तो सोमवार को वे विधानसभा घेराव के लिए पहुंच गए। बैरिकेडिंग टूटी, छात्र विधानसभा गेट तक पहुंचे, पुलिस ने लाठीचार्ज किया, आंसू गैस छोड़ी और वाटर कैनन का इस्तेमाल किया। लोकतांत्रिक व्यवस्था में ऐसी स्थिति किसी के लिए भी संतोषजनक नहीं हो सकती। सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर युवा सड़क पर उतरने को मजबूर क्यों हो रहे हैं? प्रतियोगी परीक्षाएं उनके लिए महज एक परीक्षा नहीं होतीं। इनके पीछे वर्षों की मेहनत, परिवार की उम्मीदें, आर्थिक संघर्ष और बेहतर भविष्य का सपना जुड़ा होता है। जब परीक्षा में पेपर लीक, नकल, फर्जीवाड़े या धांधली के आरोप लगते हैं तो चोट केवल एक परीक्षा पर नहीं होती, बल्कि पूरी व्यवस्था पर युवाओं का भरोसा टूटता है। हर बार परीक्षा में धांधली के पीछे दो गंभीर आशंकाएं सामने आती हैं। पहली पैसे या प्रभाव के जरिए पेपर पास करवाना और नौकरी पाना। दूसरी, पैसे के दम पर परीक्षा से पहले प्रश्नपत्र या गोपनीय सामग्री तक पहुंच बनाने का खेल। इनमें सरकार के नुमाइंदों और जो एजेंसी पेपर करवा रही है, उसके अफसरों की मिलीभगत सामने आती है। कुल मिलाकर अफसर चंद रुपयों के लालच में युवाओं के भविष्य का सौदा कर बैठते हैं और छात्र आंदोलन को मजबूर होते हैं। यदि इन आशंकाओं में सच्चाई है तो यह केवल भ्रष्टाचार नहीं, बल्कि युवाओं के भविष्य के साथ संगठित खिलवाड़ है। इसमें किसी भी स्तर पर अधिकारी, कर्मचारी, परीक्षा एजेंसी या बाहरी गिरोह की संलिप्तता सामने आती है तो उसके खिलाफ ऐसी कार्रवाई होनी चाहिए जो भविष्य के लिए स्पष्ट संदेश बने। यदि छात्रों को परीक्षा में गड़बड़ी का संदेह है तो सरकार को उनके सामने जांच की प्रक्रिया, तथ्य और रिपोर्ट रखनी चाहिए। अगर आरोप गलत हैं तो प्रमाण के साथ स्थिति स्पष्ट की जानी चाहिए और अगर गड़बड़ी हुई है तो जिम्मेदार लोगों के नाम सामने आने चाहिए। सरकारों को भर्ती परीक्षाओं के लिए ऐसी पारदर्शी और सुरक्षित व्यवस्था बनानी होगी जिसमें प्रश्नपत्र तैयार करने से लेकर परीक्षा कराने, उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन और परिणाम जारी करने तक हर स्तर पर जवाबदेही तय हो। संवेदनशील प्रक्रिया में शामिल अधिकारियों और एजेंसियों की जिम्मेदारी स्पष्ट हो। सबसे जरूरी है कि छात्रों की शिकायतों को सुनने के लिए स्थायी संवाद तंत्र बनाया जाए। आंदोलन शुरू होने और विधानसभा घेराव की नौबत आने का इंतजार क्यों किया जाए? सरकारें समय रहते छात्रों के प्रतिनिधियों से बात करें और उनकी शिकायतों पर समयबद्ध कार्रवाई करें। सरकारों को युवाओं के सब्र का इम्तिहान लेने के बजाय उनके भरोसे की परीक्षा पास करनी होगी। परीक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता, दोषियों पर कठोर कार्रवाई और अधिकारियों की जवाबदेही ही वह रास्ता है, जिससे सड़कों पर उतरते युवाओं को फिर से किताबों और अपने भविष्य की ओर लौटाया जा सकता है।

चीन को भारत का करारा जवाब

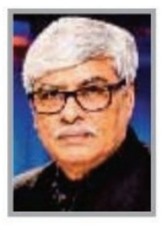

सीमा विवाद
ओमकार चौधरी

भारत-चीन सीमा विवाद अब केवल जमीन और सीमा रेखा का सवाल नहीं रह गया है, बल्कि यह नक्शों, नामों और ऐतिहासिक दावों की लड़ाई में बदल चुका है। चीन अरुणाचल प्रदेश के गांवों, पहाड़ों, नदियों और दर्रों के नाम बदलकर उन्हें अपने नक्शों में शामिल करता रहा है। वहीं, भारत ने हर बार चीन के इन प्रयासों को खारिज किया है। अब भारतीय सर्वेक्षण विभाग ने अरुणाचल प्रदेश के 27 महत्वपूर्ण स्थानों और भौगोलिक विशेषताओं के मानक नाम आधिकारिक भारतीय मानचित्र में शामिल किए हैं। यह कदम केवल प्रशासनिक औपचारिकता नहीं, बल्कि चीन की नामकरण रणनीति का संस्थागत जवाब है। संदेश स्पष्ट है :- अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न हिस्सा है और रहेगा।

भारत-चीन सीमा विवाद दशकों पुराना है, लेकिन हाल के वर्षों में इसने एक नया आयाम ले लिया है। मानचित्रों और नामों की लड़ाई। चीन बार-बार अरुणाचल प्रदेश के गांवों, पहाड़ों, नदियों और दर्रों के नाम बदलकर अपने नक्शों में शामिल करता रहा है, ताकि इस क्षेत्र पर अपने दावे को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मजबूत किया जा सके। भारत ने हर बार इसे सिरे से नकारा है और अब भारतीय सर्वेक्षण विभाग ने राज्य के 27 स्थानों के नाम आधिकारिक भारतीय मानचित्र में शामिल कर एक ठोस और संस्थागत जवाब दिया है। भारत-चीन सीमा विवाद की जड़ें अंग्रेजों के जमाने में जाती हैं। सन 1914 में शिमला सम्मेलन में ब्रिटिश भारत और तिब्बत के प्रतिनिधियों के बीच एक सीमा रेखा तय की गई थी, जिसे मैकमोहन रेखा कहा जाता है। यह रेखा भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र और तिब्बत के बीच की सीमा को परिभाषित करती है। भारत इस रेखा को अंतरराष्ट्रीय सीमा मानता है, जबकि चीन इसे कभी मान्यता नहीं देता। उसका तर्क है कि तिब्बत के पास उस समय स्वतंत्र रूप से समझौते करने का अधिकार नहीं था।

इसी असहमति के चलते 1962 में भारत और चीन के बीच युद्ध हुआ, जिसमें चीनी सेना ने अरुणाचल प्रदेश (तब नेफा यानी नॉर्थ ईस्ट फ्रंटियर एजेंसी) के कई हिस्सों में घुसपैठ की। थाग ला दर्रा इस युद्ध के शुरुआती संघर्ष स्थलों में से एक था, जबकि लोंग जू क्षेत्र में 1959 में ही, यानी युद्ध से तीन साल पहले, चीनी सैनिकों और भारतीय सुरक्षा बलों के बीच पहली बड़ी झड़प हुई थी। युद्ध के बाद चीन ने कुछ इलाकों से पीछे हटने की घोषणा तो की, लेकिन सीमा विवाद कभी सुलझा नहीं। 1972 में नेफा को केंद्र शासित प्रदेश और फिर 1987 में पूर्ण राज्य का दर्जा देकर अरुणाचल प्रदेश बनाया गया, जो आज भारत के पूर्वोत्तर का एक अभिन्न राज्य है। चीन अरुणाचल प्रदेश को अपनी भाषा में 'जांगनान' यानी 'दक्षिण तिब्बत' कहता है और इसे तिब्बत का हिस्सा मानते हुए अपना दावा जताता है। चीन लंबे समय से अरुणाचल प्रदेश को दक्षिणी तिब्बत का हिस्सा बताकर अपना दावा साबित करने की कोशिश करता रहा है, जिसे भारत दृढ़ता से खारिज करता रहा है। यही सोच नामकरण की रणनीति के पीछे भी काम करती है। जगहों को चीनी या तिब्बती नाम देकर यह दिखाने की कोशिश की जाती है कि इन क्षेत्रों पर चीन का प्रभाव रहा है। चीन ने पहली बार 2017 में अरुणाचल प्रदेश के छह स्थानों के नाम बदले थे, और इसे तब दलाई लामा की अरुणाचल यात्रा के विरोध के तौर पर देखा गया था। इसके बाद यह सिलसिला थमा नहीं। 2021 में चीन ने 15 स्थानों की एक और सूची जारी की, और 2023 में 11 और स्थानों के नाम बदले गए। इन नामकरणों में गांव, नदियां, पहाड़ और यहां तक कि आवासीय क्षेत्र तक शामिल किए गए हैं। हर बार जब यह सूचियां सामने आई, भारत के विदेश मंत्रालय ने कड़ा एतराज जताया। इस साल भी जब चीन ने एक बार फिर कुछ स्थानों के नाम बदलने की कोशिश की, तो भारत ने तुरंत जवाब दिया। विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट कहा कि अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न हिस्सा था, है और हमेशा रहेगा। भारत ने इसे एक शरारतपूर्ण प्रयास करार दिया और दोहराया कि इस तरह की कार्रवाइयां न तो जमीनी हकीकत बदल सकती हैं, न ही भारत की संप्रभुता पर कोई असर डाल सकती हैं। विश्लेषक इस पूरी प्रक्रिया को मानचित्रण संबंधी आक्रामकता यानी कार्टोग्राफिक

अग्रेशन कहते हैं। यह कोई नई रणनीति नहीं है। चीन 2017 से समय-समय पर अरुणाचल प्रदेश के स्थानों के लिए मानकीकृत नामों की सूचियां जारी करता रहा है। इसका मकसद सिर्फ नाम बदलना नहीं, बल्कि दस्तावेजों और मानचित्रों के जरिए धीरे-धीरे यह स्थापित करना है कि इन क्षेत्रों पर चीन का ऐतिहासिक और सांस्कृतिक अधिकार रहा है। इसी पृष्ठभूमि में भारत का हाल का कदम बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। भारतीय सर्वेक्षण विभाग ने अरुणाचल प्रदेश के 27 स्थानों और उनकी भौगोलिक विशेषताओं के मानक नामों को आधिकारिक भारतीय मानचित्र में औपचारिक रूप से शामिल किया है। इस सूची में शामिल स्थानों में सामरिक और ऐतिहासिक महत्व साफ झलकता है।

लोंग जू : यह वही क्षेत्र है जहां 1959 में भारत-चीन सैनिकों के बीच पहली बड़ी झड़प हुई थी, और जो आज भी वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के करीब स्थित है।
थाग ला दर्रा :1962 के युद्ध के शुरुआती संघर्षों का गवाह व सामरिक रूप से बेहद ऊंचाई पर स्थित महत्वपूर्ण दर्रा।
जयरामपुर : चांगलांग जिले में स्थित यह रसद केंद्र पूर्वी सीमा क्षेत्र का प्रवेश द्वार माना जाता है और म्यांमा सीमा की ओर सुरक्षा बलों की आवाजाही में अहम भूमिका निभाता है।
जसवंतगढ़ : तवांग रोड पर स्थित यह स्थान भारतीय शहीद जसवंत सिंह रावत के स्मारक के लिए जाना जाता है, जिन्होंने 1962 के युद्ध में वीरता दिखाई थी।
शेर-ए-थापा स्मारक : 1962 के युद्ध के नायक त्रिलोक सिंह थापा की स्मृति में बनाया गया यह स्मारक भी इस सूची का हिस्सा है। इनके अलावा शंभू सरोवर, बड़ा और छोटा कुंडुन, धन बाड़ी, प्रीतनगर, तेरितनगर, रामनगर, सागर, पद्मा, ज्योतिनगर, बैसाखी, छोटा और बड़ा रोपुक, शिवाजी नगर, सुनपुरा, कमलांग नगर और बुद्ध मंदिर जैसे स्थान भी इस सूची में शामिल हैं। यह चुनाव आकस्मिक नहीं लगता। इनमें से अधिकांश स्थान सामरिक दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्रों में हैं या 1959-1962 के संघर्षों से सीधा ऐतिहासिक संबंध रखते हैं। भारत का यह कदम कई मायनों में महत्वपूर्ण है।
कानूनी व प्रशासनिक स्पष्टता : आधिकारिक मानचित्र में स्थानों को औपचारिक रूप से शामिल करने से सटीक भौगोलिक पहचान सुनिश्चित होती है, जिससे प्रशासनिक कामकाज व सुरक्षा तैनाती में स्पष्टता आती है।
कूटनीतिक जवाब : यह चीन की नामकरण रणनीति के जवाब में भारत का दस्तावेजी आधार तैयार करने जैसा है, ताकि अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत का पक्ष उतनी ही मजबूती से उठे, जितनी मजबूती से चीन दावा करता है।
जन-जागरूकता : इन स्थानों को आधिकारिक तौर पर चिह्नित करने से आम नागरिकों में इनकी अहमियत व भारत की संप्रभुता के प्रति जागरूकता बढ़ती है, खासकर उन स्थानों के मामले में जो 1962 और 1959 के संघर्षों से जुड़े हैं और शहीदों की स्मृति को संजोए हैं।
ऐतिहासिक स्मृति को संरक्षित करना: जसवंतगढ़ और शेर-ए-थापा स्मारक जैसे स्थानों को शामिल करना यह सुनिश्चित करता है कि 1962 के युद्ध में शहीद हुए सैनिकों की वीरता की कहानियां आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचे। अरुणाचल प्रदेश को लेकर भारत-चीन विवाद केवल सीमा रेखा का मसला नहीं रह गया है। यह अब मानचित्रों, नामों और दस्तावेजों की एक लंबी लड़ाई बन चुका है। चीन जहां बार-बार नामकरण के जरिए अपने दावे को स्थापित करने की कोशिश करता रहा है, वहीं भारत ने भी अब यह स्पष्ट कर दिया है कि वह इस मोर्चे पर पीछे नहीं हटेगा। 27 स्थानों का यह औपचारिक नामकरण केवल एक प्रशासनिक कदम नहीं, बल्कि एक ठोस संदेश है कि अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न हिस्सा पहले भी था, आज भी है, और भविष्य में भी रहेगा।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

विशेष
अनुभव शर्मा

भगवान महादेव का प्रिय है विदेशी धतूरा

धत्तूरैः पूजनं शंभोः सर्वकामफलप्रदम्।
विषनाशकरं चैव सर्वसौभाग्यवर्धनम्॥

(अर्थातः भगवान शिव का धतूरे के फूलों या फलों से पूजन करना सभी मनोकामनाओं को पूरा करने वाला, विष यानी नकारात्मकता और कष्टों का नाश करने वाला तथा समस्त सौभाग्य को बढ़ाने वाला होता है।)

भगवान शिव को धतूरा अर्पित करने का महात्म्य दर्शाने वाला यह प्राचीन श्लोक है। परंतु यह आश्चर्यजनक है कि महादेव का प्रिय धतूरा मूलतः भारतीय ही नहीं है, बल्कि यह प्रशांत महासागर के उस पार स्थित अमेरिका महाद्वीप के मैक्सिको की मूल प्रजाति है, जिसका वैज्ञानिक नाम डातुरा स्ट्रामोनियम है। पशुपति नाथ की सेंधव मुहरों से लेकर ऋग्वेद के रुद्र शिव तक भारत में शैव पूजा का हजारों वर्ष प्राचीन इतिहास है इसी कारण शिव आदिदेव भी कहे जाते है परन्तु धतूरे को वनस्पति शास्त्री मूलतः मेक्सिको का पौधा बताते हैं जो बाद में भारत पहुंचा, परन्तु प्रश्न है कब और कैसे। लगभग दो हजार वर्षों पहले इसका उल्लेख चरक संहिता में 'उन्मत्त' या 'धत्तूर' के रूप में मिलता है, जो इसे भ्रम पैदा करने वाली औषधि बताते हैं। वहीं, महर्षि सुश्रुत इसे कुत्तों के काटने से होने वाले रोग 'रेबीज' के उपचार में उपयोगी मानते हैं। वात्स्यायन के कामसूत्र के अनुसार, नागरक या शहरी लोग धतूरे को तांबूल (पान) के साथ मिलाकर एक सुगंधित लेप तैयार करते थे। महाकवि बाणभट्ट अपनी रचना 'हर्षचरित' में विंध्यांचल के वनों की आटविक (जंगली) जातियों द्वारा तंत्र में प्रयुक्त औषधि के रूप में इसका उल्लेख इस प्रकार करते हैं।

उद्गत-धत्तूर-प्ररोह-संकुलैः, प्रगुणीकृत-शबर-पल्लव-कुटीरैः...

(भावार्थः वह विंध्य के जंगल का क्षेत्र था, जो बाहर निकले हुए धतूरे के पौधों के अंकुरों से घिरे हुए थे और जहां शबरों जंगली जातियों की पत्तों से बनी कुटियाएं थीं।) चोल काल के प्रसिद्ध ऐरावतेश्वर मंदिर में भगवान शिव की कंकाल मूर्ति की जटाओं और आभूषणों में धतूरे के फूल का अंकन मिलता है। इन साक्ष्यों से यह ज़ाहिर है कि धतूरा ईस्वी सन के आस-पास ही भारत भूमि में आ चुका था, जबकि इसके पहले वेदों, उपनिषदों या फिर सैन्धव सभ्यता में यह पूर्णतः अनुपस्थित मिलता है। प्रश्न यह है कि फिर यह आदिदेव शिव का प्रिय फूल कैसे हुआ? कोलम्बस की अमेरिका की खोज (1492 ईस्वी सन) के बाद ही 'नई दुनिया' की वनस्पतियां एशिया और यूरोप के संपर्क में आईं, जिसमें आलू, टमाटर, मिर्च, कद्दू से लेकर तंबाकू जैसी आज की प्रचलित किस्में शामिल हैं। फिर धतूरा ईस्वी सन की शुरुआत में भारत तक कैसे पहुंचा? क्या प्री-कोलम्बस काल में भी अमेरिकी महाद्वीप से भारतीय संपर्क हुआ था? यह इतिहास की अबूझ पहेली है। मैक्स प्लांक इंस्टीट्यूट के नवीन अनुसंधानों में यह साबित हुआ है कि ऑस्ट्रेलिया के मूल नेटिव आदिवासियों में लगभग 4000 साल पहले भारतीय डीएनए पाए गए हैं, जो द्रविड़ एवं तटीय भारतीय व्यापारिक संबंधों की पुष्टि करते हैं, परंतु मैक्सिको के संदर्भ में ऐसे किसी भी आदान-प्रदान के साक्ष्य कोलम्बस से पहले नहीं मिलते। हालांकि, ऐसी विकास अवधारणाओं को 'अभिसारी विकास' के रूप में भी देखा जाता है। जब अलग-अलग भौगोलिक क्षेत्रों में रहने वाले जीवों या पौधों को पर्यावरण, जलवायु या जीवनशैली की लगभग एक जैसी चुनौतियां मिलती हैं, तो प्रकृति उन्हें जीवित रहने के लिए समान शारीरिक या जैविक रूप ढालने पर मजबूर कर देती है। पौराणिक कथाओं में समुद्र मंथन से निकले विष पान के कारण भगवान शिव को 'नीलकंठ' कहा गया है। कालकूट विष की उष्णता इतनी अधिक थी कि देवताओं और ऋषियों ने शिवजी की इस महापीड़ा को शांत करने के लिए उन्हें ठंडी प्रकृति वाली और विष का प्रभाव काटने वाली औषधियां अर्पित कीं। कालकूट विष के प्रचंड ताप से पीड़ित शिवजी की पीड़ा को शांत करने में धतूरे ने अपनी मुख्य भूमिका निभाई, इसलिए भगवान शिव को धतूरा अतिप्रिय माना गया है। हैरत की बात यह है कि धतूरे की तरह ही पीला कनेर का फूल भी मैक्सिको से पुर्तगालियों द्वारा पंद्रहवीं सदी में ही आया था (हालांकि सफेद कनेर भारत में पहले से होता था) और यह पीला कनेर भी शिव पूजन में अत्यधिक लोकप्रिय है। किसी जीव द्वारा या समुद्र में बह कर आने के विषय पर शोध आवश्यक है। इसलिए मध्य काल के कवि बिहारीदास के शब्दों में

कनक कनक ते सौ गुनी मादकता अधिकाय,
वा खाए बौराय जग, इहि पाए बौराय।

इसी 'कनक' (धतूरे) की मादकता का भारत में विशेष धार्मिक व सांस्कृतिक प्रभाव आज भी स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है।

(लेखक अवर सचिव, लोक भवन, रायपुर हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

माता-पिता के अपमान को भगवान भी माफ नहीं करते

संकलित
दर्शन

चाणक्य ने अपनी नीतियों में एक ऐसे काम का जिक्र किया है जिसे महापाप की श्रेष्ठ में रखा गया है और इस कार्य को करने वालों को भगवान कभी भी माफ नहीं करते हैं। चाणक्य नीति अनुसार व्यक्ति के शब्द बहुत महत्वपूर्ण होते हैं शब्द ही ऐसी चीज है जो बिना हथियार के ही ... दूसरों को घायल कर सकते है। इसलिए चाणक्य कहते हैं जो लोग ईश्वर स्वरूप माता पिता को अपशब्द बोलकर उनका अपमान करते हैं ऐसे लोगों को भगवान कभी माफ नहीं करते है यह ऐसी गलती है जो महापाप की श्रेष्ठी में आती है। माता पिता को अपशब्द कहने वाले लोगों को हर ओर से कष्ट उठाना पड़ता है ऐसे लोगों को माता पिता भले ही माफ कर दें लेकिन ईश्वर इन्हें कभी माफ नहीं करता है। माता पिता को अपशब्द कहना ही जीवन में सबसे बड़ा महापाप है। चाणक्य की मानें तो जो लोग माता पिता का दुख तोड़ते हैं उन्हें भला बुरा कहते हैं ऐसे लोगों को ईश्वर कभी क्षमा नहीं करता है बल्कि इन्हें कष्ट उठाना पड़ता है। इसलिए कहा जाता है कि माता पिता को हमेशा खुश रखना चाहिए। ऐसा कोई भी काम नहीं करना चाहिए जिससे उनके दिल को ठेस पहुंचे। इस संसार में माता-पिता का ऋण कोई भी नहीं चुका सकता।

गुरु के बिना जीवन में प्रगति संभव नहीं

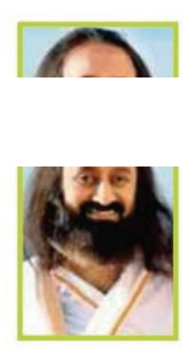

संकलित
प्रेरणा

एक बल्ब के भीतर तंतु (फिलामेंट) पहले से ही विद्यमान होता है। उसे केवल विद्युत प्रवाह की आवश्यकता होती है और वह प्रकाशमान हो उठता है। ठीक उसी प्रकार गुरु की उपस्थिति ही मनुष्य को अपने इस वास्तविक स्वरूप का बोध कराती है। यदि जीवन में उच्चतर चेतना, उत्कृष्टता और आत्मोन्नति प्राप्त करनी है, तो गुरु का होना अनिवार्य है। गुरु ... के बिना वास्तविक प्रगति संभव नहीं। जीवन में जो बातें प्रत्यक्ष दिखाई देती हैं, उनके लिए भी हम मार्गदर्शक की आवश्यकता सहज स्वीकार करते हैं। वाहन चलाना सीखने के लिए प्रशिक्षक चाहिए, किसी विषय में दुर्बलता हो तो शिक्षक या कोच की आवश्यकता पड़ती है। जब दृश्य जगत की छोटी-छोटी बातों के लिए भी मार्गदर्शक आवश्यक है, तब उस अदृश्य, सूक्ष्म और अव्यक्त सत्य की अनुभूति के लिए गुरु का महत्त्व कितना अधिक होगा। गुरु के बिना आत्मसाक्षात्कार अत्यंत कठिन प्रतीत होता है और गुरु के बिना ध्यान की गहराइयों तक पहुंचना भी सहज नहीं होता। क्या आप जानते हैं कि स्वयं भगवान श्रीकृष्ण ने अपनी शिक्षा के लिए महर्षि सांदीपनि का आश्रय ग्रहण किया था? भगवान श्रीराम ने भी महर्षि वशिष्ठ से जीवन का गहन ज्ञान प्राप्त किया। जब स्वयं अवतार पुरुषों ने गुरु की शरण ग्रहण की, तब सामान्य मनुष्य के लिए गुरु की आवश्यकता कितनी स्वाभाविक है। गुरु-शिष्य परंपरा हमारी सनातन संस्कृति की अमूल्य धरोहर है। यदि मानव जाति को आगे बढना है, तो उसे इस प्राचीन ज्ञान-परंपरा को अपने साथ लेकर चलना होगा।

अंतर्मन

आज की पाती

लोगों में धन की भूख बढ़ी

आज भौतिकवादी और आधुनिक युग में कुछ लोगों को धन की इतनी भूख बढ़ रही है कि वो इसे पाने के लिए किसी भी हद तक गिर रहे हैं। स्वामी दयानंद सरस्वती जी ने कहा है कि, धन एक वस्तु है जो ईमानदारी और न्याय से कमाई जाती है, और इसके विपरीत है अधर्म का खजाना। लेकिन आज बहुत से लोग अमीर बनने के चक्कर में बेईमानी, हेराफेरी, अनैतिकता की राह पर चल पड़ते हैं। ऐसे लोग यह भूल जाते हैं कि गलत तरीकों से कमाई धन-दौलत ज्यादा दिन सुख नहीं दे सकती। कहते हैं कि जैसा खाओ अन्न वैसा हो मन। अगर हम बेईमानी कि कमाई से अन्न खरीद कर खाएंगे या अपने परिवार को खिलाएंगे तो क्या वो अन्न हमारे या हमारे परिवार के लिए उचित भोजन होगा? शायद नहीं। पाप की कमाई से अगर बच्चों का पालन-पोषण किया जाए तो इससे बच्चे पथभ्रष्ट ही होंगे।- *विजय कुमार, सोनीपत*

करंट अफेयर

प्लास्टिक को भी चट कर जाएगा पाक में मिला फंगस

दुनिया भर में प्लास्टिक कचरे की बढ़ती समस्या के बीच पाकिस्तान के वैज्ञानिकों ने एक ऐसी खोज की है जो भविष्य में पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण साबित हो सकती है। राजधानी इस्लामाबाद के एक नगरपालिका कचरा निपटान स्थल की मिट्टी से अलग किए गए एक अनोखे फंगस एस्परगिलस ट्यूबिंगेंसिस ने पॉलिएस्टर पॉलीयुरेथेन नामक अत्यंत टिकाऊ प्लास्टिक को तोड़ने की क्षमता दिखाई है। यह प्लास्टिक सिंथेटिक लेदर, कोटिंग्स, कुशन, इन्सुलेशन सामग्री और कई औद्योगिक उत्पादों में बड़े पैमाने पर इस्तेमाल होता है और आम वातावरण में आसानी से नष्ट नहीं होता।
शोधकर्ताओं ने लैब में कल्चर और मिट्टी में दफनाने के विस्तृत प्रयोगों के जरिए इस फंगस की क्षमता का गहन परीक्षण किया। अध्ययन में इसे एस्परगिलस ट्यूबिंगेंसिस की पॉलीयुरेथेन को खराब करने की क्षमता का पहला रिपोर्टेड मामला बताया गया था। हालांकि वैज्ञानिकों ने साफ चेतावनी दी है कि इन नतीजों को अतिरंजित नहीं समझना चाहिए। प्रयोग पूरी तरह नियंत्रित लैब परिस्थितियों में किए गए थे। इसका मतलब यह कतई नहीं है कि फेंका गया पॉलीयुरेथेन गद्दा, जूता या कोई अन्य उत्पाद दो महीने पर्यावरण में रहने के बाद गायब हो जाएगा।

ऑफ बीट

कुंडेश्वर धाम में 5000 साल पुराना शिवलिंग

बुंदेलखंड की काशी कहे जाने वाले शिव धाम कुंडेश्वर में भगवान भोलेनाथ का स्वयंभू शिवलिंग है। यह शिवलिंग करीब 5000 साल पुराना बताया जाता है। द्वापर युग में बाणासुर की पुत्री ऊषा ने यहां भगवान शिव की तपस्या की थी। वर्तमान में किंवदंती है कि ऊषा आज भी भगवान शिव को जल अर्पित करने आती है। मगर उन्हें कोई देख नहीं पाता है। कुंडेश्वर स्थित देवादिदेव महादेव आज भी शाश्वत और सत्य हैं, इसका जीता जागता प्रमाण स्वयं प्रतिवर्ष चावल के बराबर बढ़ने वाला शिवलिंग है। क्यों कहा जाने लगा कुंडेश्वर- बताया जाता है कि कुंडेश्वर का इतिहास बहुत पुराना है, लेकिन इसके बारे में स्पष्ट जानकारी नहीं है। प्राचीनकाल में यहां एक छोटी सी बस्ती थी। एक महिला अपने घर में जमीन में बनी ओखली में धान कूट रही थी कि अचानक उसने हाथ से धान पलटते समय पाया कि ओखली के चावल रक्त रंजित हो गए हैं। वह घबराकर मिट्टी के कूड़े से ओखली ढक्कर लोगों को बुलाने भागी, लौटने पर सभी ने देखा कि स्वयं भू शिवलिंग कूड़े को सिर पर रखकर प्रकट हो गए। इसी दिन से वे कूड़ा देव कुंडेश्वर कहे जाने लगे। समूचे उत्तर भारत में भगवान कुंडेश्वर की विशेष मान्यता है। यहां प्रतिवर्ष लाखों की संख्या में श्रद्धालु भगवान के दर्शन करने के आते हैं।

ट्रेंड

कोई गोली नहीं चली

जंतर-मंतर पर कोई गोली नहीं चली। राहुल गांधी भ्रम फैला रहे हैं। गृहमंत्री हर बात का जवाब देने को तैयार। अमित शाह सदन में विस्तार से जवाब देंगे, लेकिन विपक्ष को भरोसा देना होगा कि वह बहस से भागेगा नहीं। **-जेपी नड्डा**, केंद्रीय मंत्री

विपक्ष की तीन मांगें

विपक्ष की तीन प्रमुख मांगे है। पहली- जंतर मंतर पर शांतिपूर्ण तरीके से आंदालन युवाओं पर गोली चलाने की जिम्मेदारी स्पष्ट हो। दूसरी-प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस घटना के लिए माफी मांगें और तीसरी- राम मंदिर में चोरी के मुद्दे पर संसद में चर्चा की जाए, सरकार दोषियों को न बचाए। **-राहुल गांधी**, नेता विपक्ष

संसद चले

अगर केंद्रीय गृह मंत्री जंतर-मंतर पर हुई घटना या वहां हुए विरोध-प्रदर्शन से निपटने के दौरान हुई घटनाओं के बारे में सदन में सवालों का जवाब देते हैं और इससे संसद का कामकाज फिर से शुरू हो जाता है, तो यह अच्छी बात है। लोग चाहते हैं कि संसद चले। संसद चलाने में बहुत पैसा खर्च होता है। **-उमर अब्दुल्ला**, सीएम, जम्मू-कश्मीर

वीबी-जी रामजी में सुधार करें

एक जुलाई से मनरेगा (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम) की जगह ले चुकी वीबी-जी रामजी योजना अपने पहले ही महीने में बुरी तरह फेल साबित हुई है। केंद्र सरकार योजना की खामियों को दूर करे व लोगों को राहत दे। **-अशोक गहलोत**, पूर्व सीएम, राजस्थान

खबर संक्षेप

सीरिया के अपदस्थ राष्ट्रपति को मौत की सजा

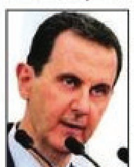

दमिश्क। सीरिया की एक अदालत ने देश के अपदस्थ राष्ट्रपति बशर अल असद और उनके भाई को मौत की सजा सुनाई है। यह सजा दोनों को युद्ध अपराधों को दोषी ठहराते हुए उनकी अनुपस्थिति में सुनाई गई। ये अपराध सीरिया में 14 साल चले संघर्ष के दौरान किए जाने के आरोप हैं, जिसमें करीब 5 लाख लोगों की जान गई। इसी मामले में असद के मामा के बेटे आतिफ नजीब को भी मौत की सजा सुनाई गई। नजीब पर प्रांत दारा में सरकार की कार्रवाई का नेतृत्व करने का आरोप था।

कांगो में इबोला से 2000 से अधिक लोगों की मौत

नई दिल्ली। मध्य अफ्रीकी देश डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो में फैला इबोला का प्रकोप इतिहास का सबसे तेजी से फैलने वाला प्रकोप बन गया है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, देश में अब तक कुल 4,381 पुष्टि किए गए मामले दर्ज किए जा चुके हैं, जिनमें 2,011 मरीजों की मौत हो चुकी है। 704 मरीजों का अलग आइसोलेशन वार्डों और अस्पतालों में इलाज चल रहा है। इस इबोला प्रकोप को लगभग तीन महीने बीत चुके हैं।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल की पड़ोसी देश चीन को दो टूक

अरुणाचल भारत का अविभाज्य और अभिन्न हिस्सा, यह कभी नहीं बदलेगा

नई दिल्ली

भारत ने एक बार फिर साफ कर दिया है कि अरुणाचल प्रदेश देश का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने मंगलवार को नियमित प्रेस ब्रीफिंग के दौरान यह बात कही। उन्होंने किसी देश का नाम लिए बिना जोर देकर कहा कि अरुणाचल प्रदेश भारत का एक अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा है और यह एक यह स्वयंसिद्ध तथ्य है और कोई भी चीज इस निर्विवाद वास्तविकता को बदल नहीं सकता।

भारत-चीन सीमा संबंधी मामलों पर जायसवाल ने कहा कि दोनों देशों के बीच सीमा क्षेत्रों में शांति और स्थिरता बनाए रखना बेहद महत्वपूर्ण है। सीमा की स्थिति का असर दोनों देशों के व्यापक द्विपक्षीय संबंधों पर पड़ता है। भारत ने चीन के साथ बातचीत के दौरान हमेशा इस बात पर जोर दिया है कि सीमा क्षेत्रों से जुड़े मुद्दे बेहद गंभीर हैं। उन्होंने कहा कि इन इलाकों में शांति और स्थिरता बनाए रखना सर्वोच्च महत्व रखता है। उन्होंने यह भी कहा कि सीमा क्षेत्रों की स्थिति दोनों देशों के व्यापक द्विपक्षीय संबंधों की स्थिति को दर्शाएगी।

चीन का नाम बदलने का प्रयास गैर-कानूनी

सीमा पर शांति और स्थिरता बनाना जरूरी

रणधीर जायवाल, प्रवक्ता, विदेश मंत्रालय

मक्का समझौते पर पैनी नजर

पाकिस्तान, सऊदी अरब और तुर्किये के बीच बीते दिनों हुए एक त्रिपक्षीय रक्षा समझौते (मक्का समझौते) को लेकर जायसवाल ने कहा कि भारत अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा के मद्देनजर इस समझौते का आकलन करने में लगा हुआ है। अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करने के लिए नई दिल्ली पूरी तरह से प्रतिबद्ध है और इस दिशा में हर जरूरी कदम उठाया जाएगा। भारत द्वारा मक्का समझौते को लेकर की जा रही समीक्षा में क्षेत्रीय शांति और स्थिरता का मसला भी शामिल है। भारत पश्चिम-एशिया संघर्ष से जुड़े हुए तमाम घटनाक्रमों पर भी पैनी नजर बनाए हुए है।

स्लोवेनिया मामले में दोषियों को मिले सख्त सजा

रणधीर ने स्लोवेनिया में भारत के दूतावास परिसर को खालिस्तान समर्थक भारत विरोधी सामग्री के जरिए नुकसान पहुंचाने के मामले पर कहा कि इस घटना की मंत्रालय ने सख्त लहजे में निंदा की है। मामले को भारत ने स्लोवेनिया की सरकार के समक्ष उठाया है। हमारा यही कहना है कि इस पूरे मुद्दे को वियना संधि के तहत देखा जाना चाहिए। जिसमें राजनयिक परिसरों को पूरी तरह से सुरक्षित बनाए रखने की जिम्मेदारी संबंधित देश की होती है। भारत का स्पष्ट रूप से यही कहना है कि इस पूरे घटनाक्रम के पीछे जो भी जिम्मेदार लोग हैं। उनके खिलाफ उपयुक्त कार्रवाई के साथ जो भी सजा हो दी जानी चाहिए।

नेपाल के साथ द्विपक्षीय मुद्दों को आगे बढ़ाया

विदेश मंत्रालय ने बताया कि बीते सोमवार को भारत के राजदूत नवीन श्रीवास्तव की नेपाल के पीएम बालेंद्र शाह के साथ एक मुलाकात हुई है। जिसमें दोनों पक्षों के बीच भारत-नेपाल के द्विपक्षीय मुद्दों पर चर्चा को आगे बढ़ाया गया। जहां तक नेपाल के पीएम की भारत यात्रा का मामला है तो उसे लेकर मंत्रालय ने बहुत पहले ही उन्हें निमंत्रण दिया हुआ है। उन्होंने बताया कि ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के लिए भारत ने समूह के सभी भागीदार देशों को आमंत्रित किया है। सम्मेलन के आउटरीच सत्रों में शामिल होने के लिए हमने समूह से जुड़े कई क्षेत्रीय संगठनों से जुड़े नेताओं को भी बुलाया है। इसका असल मकसद विभिन्न देशों, समूहों के साथ संवाद और सहयोग दोनों को मजबूती प्रदान करना है।

बांग्लादेश पीएम को दिया न्योता

जायसवाल ने बताया कि भारतीय दूत दिनेश त्रिवेदी ने बांग्लादेश के पीएम रहमान से मुलाकात की। भारत की ओर से बांग्लादेश के पीएम को द्विपक्षीय यात्रा के लिए आमंत्रित किया गया है। इसके अलावा उन्हें दिल्ली में आयोजित होने वाले ब्रिक्स आउटरीच सत्र में शामिल होने का न्योता भी दिया गया है।

अंतरराष्ट्रीय समुदाय पाक की जवाबदेही तय करे

जायसवाल ने पाकिस्तान अधिकृत जम्मू-कश्मीर (पीओजेके) की स्थिति पर भारत का रुख दोहराते हुए कहा कि भारत इस मुद्दे को लेकर अपनी चिंता पहले भी व्यक्त करता रहा है और आगे भी स्थिति पर लगातार नजर बनाए रखेगा। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान में मानवाधिकारों का खुलेआम उल्लंघन हो रहा है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अपील की कि वह इस मामले पर ध्यान दे और मानवाधिकारों के उल्लंघन के लिए पाकिस्तान को जवाबदेह ठहराए। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान में मानवाधिकारों का हनन किया जा रहा है। अब तक 90 लोगों की जान जा चुकी है। लोगों की मांगों का जवाब गोलियों और इंटरनेट बंदी के जरिए दिया जा रहा है।

एनएसए डोभाल से मिले सर्जियो गोर

कहा- वैश्विक सुरक्षा के लिए यूएस-भारत साझेदारी अहम

विदेश सचिव मिसरी से भी की मुलाकात

एजेंसी नई दिल्ली

गोर और डोभाल | फाइल फोटो

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल से अमेरिकी राजदूत सर्गियो गोर ने मंगलवार को मुलाकात की। इस मुलाकात को सार्थक बतलाते हुए सर्जियो गोर ने कहा कि वैश्विक सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए भारत के साथ अमेरिका की साझेदारी बहुत जरूरी है। गोर ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर लिखा कि अमेरिका-भारत रणनीतिक सहयोग को और मजबूत करने पर चर्चा के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के साथ सार्थक बैठक हुई। वैश्विक सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए भारत के साथ हमारी करीबी साझेदारी बहुत जरूरी है। अमेरिका और भारत के कई लक्ष्य एक जैसे हैं और हमारा सहयोग लगातार बढ़ रहा है।

बता दें, अमेरिकी राजदूत की डोभाल के साथ यह बैठक विदेश सचिव विक्रम मिसरी के साथ उनकी बातचीत के एक दिन बाद हुई है। 8 अगस्त को अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच खासकर व्यापार, रक्षा और ऊर्जा के क्षेत्र में भारत-अमेरिका समग्र वैश्विक रणनीतिक संबंधों को बढ़ाने पर चर्चा करने के लिए पीएम नरेंद्र मोदी से फोन पर बात की थी।

मक्का रक्षा समझौते को लेकर चिंतित है अमेरिका

तुर्किये, सऊदी अरब और पाकिस्तान के बीच हाल में एक मक्का रक्षा समझौता होने के बाद भारत एवं अमेरिका के बीच उच्च स्तरीय राजनयिक संवाद बढ़ गया है। इस समझौते को नये क्षेत्रीय समीकरण के रूप में देखा जा रहा है। सूत्रों के अनुसार बैठकों में रक्षा, व्यापार और अहम खनिजों के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर खास तौर पर चर्चा हुई। जून में फ्रांस में मुलाकात के दौरान पीएम नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने अधिकारियों को निर्देश दिया था कि वे जल्द से जल्द एक संतुलित, परस्पर लाभकारी और व्यावसायिक रूप से सार्थक व्यापार समझौते की दिशा में काम करें। पिछले साल जब वॉशिंगटन ने भारत पर दंडात्मक शुल्क लगाए और राष्ट्रपति ट्रंप ने मई 2025 में भारत-पाकिस्तान के बीच हुई सैन्य झड़पों को रुकवाने में अपनी भूमिका का दावा किया। उसके बाद दोनों देशों के रिश्ते बिगड़ गये थे।

अमेरिका की गाजा शांति डील को इजराइल ने मानने से किया इनकार

पहले हमास डाले हथियार नेतन्याहू की दो टूक

एजेंसी यरूशलेम

इजराइल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने गाजा में रुकी हुई युद्ध-विराम प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के ट्रंप के नए प्लान को ठुकरा दिया। उन्होंने कहा कि जब तक हमास के हथियार पूरी तरह से खत्म नहीं कर दिए जाते, तब तक इजराइल उस लगभग 60 प्रतिशत इलाके से पीछे नहीं हटेगा जिस पर उसका कब्जा है। वहीं, हमास ने अपने सबसे भारी हथियारों को सौंपने की शर्त फिलिस्तीनी राज्य के गठन से जोड़ दी।

बेंजामिन नेतन्याहू और डोनाल्ड ट्रंप | फाइल फोटो

वीजा के विस्तार के लिए नए नियम जारी

अमेरिका ने वीजा के विस्तार के लिए नए नियम जारी किए, जिनके तहत बड़े नियोक्ताओं को अपने कर्मचारियों के एच-1बी और एल-1 वीजा के विस्तार के लिए क्रमशः 4,000 और 4,500 अमेरिकी डॉलर का शुल्क अदा करना होगा। अभी तक यह शुल्क केवल शुरुआती एच-1बी और एल-1 आवेदनों या आवेदक के नौकरी बदलने की स्थिति में ही लागू होता था। भारत की प्रमुख सूचना प्रौद्योगिकी सेवा और परामर्श प्रदाता कंपनियां 'ऑनशोर-ऑफशोर' कर्मचारी मॉडल अपनाती हैं, इसलिए वे बदले हुए नियम के दायरे में आ जाएंगी।

विदेशी जहाजों को तीन माह की छूट

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने विदेशी जहाजों को अमेरिकी बंदरगाहों के बीच सामान, तेल, उर्वरक और अन्य जीवाश्म ईंधन उत्पाद ले जाने के लिए 90 दिन की छूट बढ़ा दी। यह छूट 17 अगस्त से प्रभावी होगी। राष्ट्रपति ने ईरान के साथ युद्ध शुरू होने के बाद मूल्य दबाव कम करने के लिए 17 मार्च को पहली बार जोन्स एक्ट में छूट दी थी। नई छूट केवल ऊर्जा स्रोतों और कृषि से संबंधित वस्तुओं पर लागू होगी।

अमेरिकी अदालत से अडाणी को राहत

धोखाधड़ी और रिश्वतखोरी के आपराधिक आरोप खारिज किए

एजेंसी वॉशिंगटन

अमरीका की एक संघीय अदालत ने भारतीय व्यवसायी गौतम अडाणी के खिलाफ कथित धोखाधड़ी और रिश्वतखोरी के आपराधिक आरोप खारिज कर दिए हैं। ब्रुकलिन स्थित अमरीकी जिला न्यायाधीश निकोलस गारौफिस ने संघीय अभियोजकों के मामले को रद्द करने के अनुरोध को स्वीकार कर लिया। हालांकि न्यायाधीश ने न्याय विभाग के अभियोजन छोड़ने के फैसले पर चिंता व्यक्त की। अडाणी द्वारा नवंबर 2024 में अमरीका में दस अरब डॉलर के निवेश के वादे के इस फैसले को प्रभावित करने पर भी स्पष्टीकरण मांगा गया था। न्यायाधीश गारौफिस ने कहा कि वे इस बात से संतुष्ट हैं कि निवेश के वादे ने न्याय विभाग के फैसले में कोई भूमिका नहीं निभाई। उन्होंने कहा कि आरोपों को रद्द करने के अभियोजकों के फैसलों की समीक्षा करने में अदालतों की भूमिका सीमित है। गौतम अडाणी ने इस निर्णय का स्वागत करते हुए कहा कि इस चुनौतीपूर्ण दौर में भी सत्य, निष्पक्षता और कानून के शासन में उनका विश्वास अटूट रहा। उन्होंने कहा कि अडाणी समूह राष्ट्र निर्माण और बड़े उद्देश्य की पूर्ति के लिए प्रतिबद्ध रहेगा।

समुद्री सुरक्षा सहयोग और निगरानी क्षमताओं की मजबूती पर दिया जोर

नौसेना प्रमुख ने मॉरीशस के गृह व रक्षा सचिव से की मुलाकात

एजेंसी नई दिल्ली

भारतीय नौसेना प्रमुख एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन इन दिनों मॉरीशस की आधिकारिक यात्रा पर हैं। अपनी इस यात्रा के प्रारंभ में उन्होंने मॉरीशस सरकार में गृह एवं रक्षा मामलों की सचिव कान ओए फोंग वेंग-पूर्न, मॉरीशस पुलिस बल के पुलिस आयुक्त रामप्रसाद सूरूजीबली और मॉरीशस में भारत के उच्चायुक्त अनुराग श्रीवास्तव से मुलाकात की है। इस दौरान भारत व मॉरीशस के बीच समुद्री सुरक्षा सहयोग को और मजबूत करने सहित कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हुई।

सूचनाओं के आदान-प्रदान पर बातचीत

एडमिरल स्वामीनाथन और कान ओए फोंग

भारतीय नौसेना के अनुसार, बातचीत का उद्देश्य हिंद महासागर क्षेत्र में बदलती समुद्री सुरक्षा चुनौतियों के बीच भारत और मॉरीशस के बीच समन्वय को और प्रभावी बनाना है। दोनों पक्षों ने समुद्री क्षेत्र में सूचनाओं के आदान-प्रदान, निगरानी क्षमताओं को मजबूत करने और संयुक्त अभियानों के लिए आपसी सहयोग बढ़ाने की संभावनाओं पर भी विचार किया।

राष्ट्रीय तटरक्षक बल की क्षमता बढ़ाने पर चर्चा

नौसेना प्रमुख एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन की इन महत्वपूर्ण बैठकों में समुद्री सुरक्षा सहयोग, मॉरीशस के राष्ट्रीय तटरक्षक बल की क्षमता बढ़ाने, और दोनों देशों के विशेष आर्थिक क्षेत्रों की संयुक्त निगरानी पर फोकस रहा। इसके अलावा, दोनों देशों के समुद्री सुरक्षा बलों के बीच परिचालन संबंधों पर भी चर्चा की।

97 लाख 91 हजार रुपये की नकली नोट के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

500 रुपये की 19,582 नकली नोटें बरामद

वसई। नकली भारतीय करेंसी के बड़े नेटवर्क का पदार्फाश करते हुए वसई के क्राइम ब्रांच यूनिट-2 ने 97 लाख 91 हजार रुपये की नकली नोटों के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि इतनी बड़ी मात्रा में नकली करेंसी कहां से लाई गई और इसके पीछे किसी अंतरराज्यीय गिरोह का हाथ तो नहीं है। मिली जानकारी के अनुसार क्राइम डीसीपी संदीप डोईफोड़े के अनुसार, 10 अगस्त 2026 को क्राइम ब्रांच यूनिट-2 वसई की टीम अपराधियों की निगरानी और पेट्रोलिंग कर रही थी। इसी दौरान गुप्त सूचना मिली कि एक व्यक्ति सफेद रंग की किआ सेल्टॉस कार क्रमांक टल-48-इळ-8686 से शिरसाड फाटा पहुंचने वाला है। वह बड़ी मात्रा में नकली भारतीय नोट देकर उसके बदले असली नोटों का एक्सचेंज करने वाला था। सूचना मिलते ही क्राइम ब्रांच की टीम ने शिरसाड गांव में मुंबई-अहमदाबाद राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 48 पर मुंबई की तरफ जाने वाले सर्विस रोड स्थित प्रसाद ऑटो पार्ट्स दुकान के सामने जाल बिछाया। कुछ ही देर में संदिग्ध आरोपी (51) वर्षीय वहां पहुंचा। पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर तलाशी ली। तलाशी के दौरान उसके पास से 500 रुपये मूल्य की 19,582 नकली नोटें, यानी कुल 97 लाख 91 हजार रुपये की नकली भारतीय करेंसी बरामद हुई। इस मामले में मांडवी पुलिस थाने में अपराध क्रमांक 238/2026 दर्ज किया गया है। आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 178, 179, 180, 182 और 3(5) के तहत मामला दर्ज किया गया है। यह कार्रवाई पुलिस आयुक्त निकेत कौशिक, अपर पुलिस आयुक्त संजय शिंत्रे, पुलिस उपायुक्त (अपराध) संदीप डोईफोडे और सहायक पुलिस आयुक्त (अपराध) गोंडुराम बांगर के मार्गदर्शन में की गई। कार्रवाई में क्राइम ब्रांच यूनिट-2 वसई के पुलिस निरीक्षक अविराज कुराडे, राहुल करपे और अनिल साबळे सहित क्राइम ब्रांच यूनिट-2 की टीम ने यह कार्रवाई किया है।

दो बाइकों की जोरदार भिड़ंत में एक की मौत

महराजगंज जनपद के श्यामदेउरवां थाना क्षेत्र के परतावल-कप्तानगंज मार्ग पर मंगलवार सुबह करीब नौ बजे इमिलिया के पास दो बाइकों की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में 52 वर्षीय नाथू शर्मा की मौत हो गई, जबकि दूसरी बाइक सवार 19 वर्षीय सचिन गंभीर रूप से घायल हो गया।

न्यायालय तहसीलदार भटगांव जिला सूरजपुर (छ०ग०)
ब-121/2025-26
दिलासों प्रति छ०ग०शासन
ग्राम चुनगड़ी, प.ह.नं.-20
ईश्तहार

आम जनता ग्राम चुनगडी को सूचित किया जाता है आवेदिका दिलासों बेवा स्व. शिवनारायण उम्र लगभग 62 वर्ष निवासी ग्राम चुनगडी तहसील भटगांव जिला सूरजपुर छ०ग० द्वारा इस आशय का आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है कि स्व. शिवनारायण जसके पति है जो शिवनारायण के एस.ई.सी.एल. के सर्विस रिकार्ड में आश्रित में आवेदिका का नाम बेलासों कि एस०ई०सी०एल० भटगांव में कार्यरत थे जिनकी सेवाकाल के दौरान मृत्यु हो गई है। स्व. अंकित है जो त्रुटिपूर्ण नाम है जबकि आधार कार्ड पेन कार्ड बैंक संबंधित दस्तावेजों में दिलासों बाई अंकित है जो सत्य एवं सही नाम है। यह कि बेलासों एवं दिलासों बाई दोनों एक ही व्यक्ति का नाम है नाम के समर्थन में शपथ पत्र प्रस्तुत किया गया है। आवेदिका द्वारा बेलासों एवं दिलासों बाई दोनों एक ही व्यक्ति का नाम है नाम के समर्थन में शपथ पत्र प्रस्तुत किया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा हितबद्ध पक्षकार को कोई आपत्ति हो आपत्ति तो पेशी दिनांक 21/08/2026 तक स्वतः या अपने अभिभाषक के माध्यम से मेरे न्यायालय में आवेदन प्रस्तुत कर सकता है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त आक्षेप पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 06/08/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

तहसीलदार
भटगांव जिला सूरजपुर (छ०ग०)

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा
रा०प्र०क०/20(1)/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक /आवेदिका विनोद बंसल आ०/पति स्व० दीनानाथ बद्रीदास बंसल जाति निवासी डी०सी० रोड़ अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला-अंधारी बगीचा, शीट नम्बर-3 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 1052/7 रकबा 0.03 1/2 एकड़ भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक/आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा / आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 21/08/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा / आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांकः- 05/08/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा
रा०प्र०क्र०/20(1)/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका अनिल कुमार चतुवेर्दी आ०/पति स्व० अक्षयवट चतुवेर्दी जाति निवासी ब्रम्ह रोड़ अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०म० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला-शीतला वार्ड, शीट नम्बर 9 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 3300, 3305 रकबा 0.08, 0.05 एकड़ भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक/आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा / आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 21/08/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा / आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांकः- 05/08/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा
रा०प्र०क्र०/20(1)/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका सुशील कुमार चतुवेर्दी आ०/पत्ति स्व० अक्षयवट चतुवेर्दी जाति निवासी ब्रम्हे रोड़ अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०म० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला-शीतला वार्ड, शीट नम्बर-9 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 3386/3, 3386/4, 3386/6, 3386/7, 3388/1 रकबा 0.31 3/4, 0.03, 0.05, 0.05, 0.59 एकड़ भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक / आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा / आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 21/08/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा / आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांकः- 05/08/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा
रा०प्र०क्र०-/20(1)/2025-26
ईश्तहार

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक / आवेदिका श्रीमती परमजीत कौर आ०/पति गौरी शंकर पाण्डेय जाति निवासी न्यू महामाया रोड़ अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला-बरेजपारा, शीट नम्बर-8 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 2559/19, 2602/58 रकबा 0.003, 0.003 हे० भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक/आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 25/08/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा। आज दिनांकः- 27/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

प्रारूप-(एक)
समाचार प्रपत्र में प्रकाशित की जाने वाली सूचना

मैं स्कावली सिंह (पुराना नाम जिसे बदला जाना है) सुपुत्री बितेश्वर सिंह गांव ओबरी तहसील बलरामपुर जिला बलरामपुर छत्तीसगढ़ ने अपना नाम स्कावली सिंह (पुराना नाम) से बदलकर एकावली सिंह (नया नाम) रख लिया है

स्कावली
हस्ताक्षर (पुराने नाम से)

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा
रा०प्र०क्र०-/20(1)/2025-26
ईश्तहार

एत्तद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक /आवेदिका चम्पा देवी ताम्रकार आ०/पति स्व० मुरारीलाल ताम्रकार जाति निवासी अम्बिकापुर, किया गया है कि तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत मोहल्ला-खुटेनपारा, शीट नम्बर-2 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 363, 364 रकबा 0.03, 0.12 एकड़ भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक/आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 21/08/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा। आज दिनांकः- 05/08/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा
रा०प्र०क्र०-/20(1)/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण दो सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका अनिल कुमार ताम्रकार आ०/पति स्व० मुरारीलाल ताम्रकार जाति निवासी अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला-खुटेनपारा, देवीगंज रोड़, शीट नम्बर-2 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 376, 431/3 रकबा 0.10, 750 एकड़ / वर्गफीट भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3. 2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक/आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 21/08/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा। आज दिनांकः- 05/08/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

हरेली तिहार पर मुख्यमंत्री निवास में साकार हुई छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति, कृषि परंपरा और ग्रामीण जीवन की जीवंत झांकी

मुख्यमंत्री ने कृषि औजारों और गौवंश की पूजा कर प्रदेश की सुख-समृद्धि, अच्छी वर्षा और भरपूर फसल की कामना की

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। प्रदेश के प्रथम लोक पर्व हरेली तिहार पर आज नवा रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास छत्तीसगढ़ की मिट्टी की महक और ग्रामीण जीवन की जीवंत झांकी में बदल गया। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने विधि-विधान से भगवान शिव, गौमाता और कृषि औजारों की पूजा-अर्चना कर प्रदेश में अच्छी वर्षा, भरपूर फसल और किसानों की समृद्धि की कामना की।विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह सहित मंत्रीगण, जनप्रतिनिधि, किसान और बड़ी संख्या में नागरिक इस उत्सव के साक्षी बने।

पिंक ऑटो से पहुंचे मुख्यमंत्री, दिखा छत्तीसगढ़ी अंदाज

मुख्यमंत्री साय पारंपरिक वेशभूषा में महिला ऑटो चालक श्रीमती संगीता यादव के पिंक ऑटो से विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह के साथ कार्यक्रम स्थल पहुंचे। उनके इस अनूठे अंदाज ने माहौल में आत्मीयता घोल दी।

कृषि औजारों और गौमाता की पूज

कार्यक्रम की शुरूआत गौरी-गणेश पूजन से हुई। मुख्यमंत्री ने नांगर, रापा, कुदाल, फावड़ा सहित कृषि औजारों की पूजा की और छत्तीसगढ़ महतारी को नमन किया। गौशाला में उन्होंने गाय और बछड़े को हरा चारा, चना-गुड़ और पारंपरिक ह्यलोंदीह्व खिलाकर पशुधन संरक्षण का संदेश दिया।

किसान हित में सरकार के बड़े कदम

मुख्यमंत्री ने कहा कि किसान की समृद्धि ही गांव और प्रदेश की खुशहाली का आधार है। उन्होंने बताया कि किसानों को शून्य प्रतिशत ब्याज पर सहकारी कृषि ऋण मिल रहा है। राज्य सरकार 3,100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से प्रति एकड़ 21 क्विंटल तक धान खरीद रही है। फसल बीमा, सिंचाई और आधुनिक तकनीक पर निरंतर काम हो रहा है। रायपुर के किसान इंद्र कुमार वर्मा को हार्वेस्टर पर 16 लाख रुपए की सब्सिडी का चेक भी दिया गया।

ड्रोन दीदी और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा

मुख्यमंत्री ने ड्रोन दीदी चंद्रकली वर्मा से संवाद किया। चंद्रकली अब तक 2500 एकड़ में ड्रोन से छिड़काव कर 7 लाख रुपए की आय कर चुकी हैं। सीएम ने कहा कि तकनीक से महिलाओं के लिए आय के नए अवसर बन रहे हैं। नेशनल मिशन ऑन नेचुरल फार्मिंग के स्टॉल पर किसानों को अरहर-उड़द के मिनी किट भी वितरित किए गए।

गेड़ी, बिल्लस, लोकगीतों से गूंजा परिसर

मुख्यमंत्री निवास को नीम-आम के पत्तों और गेंदे के फूलों से सजाया गया था। गेड़ी, बिल्लस, गोटी, बाटी जैसे पारंपरिक खेल और मांदर-ढोलक की थाप पर लोक कलाकारों की प्रस्तुतियों ने माहौल को गांव के मेले जैसा बना दिया। मुख्यमंत्री खुद भी कलाकारों के साथ लोकधुनों पर झूमे। ठेठरी, खुरमी, बड़ा जैसे छत्तीसगढ़ी व्यंजनों के स्टॉल भी आकर्षण का केंद्र रहे।

पारिजात का पौधा लगाकर दिया पर्यावरण का संदेश

हरेली के प्रकृति संरक्षण संदेश को आगे बढ़ाते हुए सीएम साय और डॉ. रमन सिंह ने पारिजात का पौधा लगाया। सीएम ने कहा कि पौधे लगाना ही नहीं, उन्हें वृक्ष बनने तक सहेजना भी जरूरी है।

डॉ. रमन सिंह ने इस अवसर पर कहा कि किसान खुशहाल होगा तभी छत्तीसगढ़ समृद्ध होगा। कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने बताया हरेली परंपराओं को नई पीढ़ी तक पहुंचाने और खेती को समृद्ध बनाने का संकल्प लेने का पर्व है।

वर्ष 2026 तक सोनभद्र को बाल श्रम मुक्त बनाने की दिशा में तेज होंगे प्रयास

जिला टास्क फोर्स की बैठक में सभी विभागों को सक्रिय भूमिका निभाने के निर्देश।

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सोनभद्र। अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार, सोनभद्र में जिला टास्क फोर्स की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनपद को बाल श्रम मुक्त बनाने, बाल एवं किशोर श्रमिकों के प्रभावी चिन्हांकन, रेस्क्यू, पुनर्वासन तथा बाल श्रम उन्मूलन अभियान में विभिन्न विभागों की सहभागिता पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में बताया गया कि श्रम विभाग, उत्तर प्रदेश शासन एवं मुख्यमंत्री जी की प्राथमिकता के अंतर्गत प्रदेश के सभी जनपदों को वर्ष 2027 तक तथा आकांक्षी जनपदों सहित 16 जनपदों को वर्ष 2026 तक बाल श्रम मुक्त घोषित किया जाना है। इसी क्रम में सोनभद्र में श्रम विभाग, अल्ळ एवं अ२२ड्ड्रं३ड्ड्ल्ल ड्ड्१ श्ड्ड्ळ४ल्ल३१८ अू३ड्ड्ल्ल के समन्वय से जागरूकता एवं रेस्क्यू अभियान संचालित किए जा रहे हैं। अभियान के अंतर्गत जून एवं जुलाई माह में 33 बाल/किशोर श्रमिकों का चिन्हांकन किया गया तथा 27 संस्थानों के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई की गई। चिन्हांकित बच्चों के शैक्षणिक एवं आर्थिक पुनर्वासन तथा आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने पर भी बैठक में चर्चा की गई। जनपद के 10 विकास खंडों की 621 ग्राम पंचायतों, 6 नगर पंचायतों एवं 1 नगर पालिका को दिसंबर 2026 तक बाल श्रम मुक्त घोषित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके लिए ग्रामीण क्षेत्रों में ग्राम पंचायत एवं ब्लॉक स्तर की बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति तथा शहरी क्षेत्रों में वार्ड स्तर की समितियों के माध्यम से बाल श्रम मुक्त प्रस्ताव पारित कराने की प्रक्रिया अपनाई जाएगी। इसके उपरांत जिला स्तरीय समिति द्वारा अनुमोदन किया जाएगा। बैठक में बाल एवं किशोर श्रमिकों के साथ-साथ बंधुआ श्रमिकों के चिन्हांकन, सड़कों पर रहने वाले एवं बेघर बच्चों के बचाव और पुनर्वासन के लिए गठित टीमों एवं नामित नोडल अधिकारियों की भूमिका के संबंध में भी जानकारी दी गई। सभी संबंधित विभागों को रेस्क्यू एवं पुनर्वासन अभियान में सक्रिय सहयोग करने तथा अपने-अपने स्तर पर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

किसानों की समृद्धि से ही समृद्ध होगा छत्तीसगढ़ : मुख्यमंत्री

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आज हरेली तिहार के पावन अवसर पर नवा रायपुर में राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा के नवीन शासकीय आवास में आयोजित गृह प्रवेश समारोह एवं हरेली उत्सव में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने वर्मा एवं उनके परिजनों को नवीन आवास में गृह प्रवेश की बधाई देते हुए उनके सुखी, समृद्ध और मंगलमय जीवन की कामना की। उन्होंने उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों को भी छत्तीसगढ़ के प्रथम लोक पर्व हरेली की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह विशेष रूप से उपस्थित थे। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि हरेली जैसे शुभ अवसर पर राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा का नवीन शासकीय आवास में गृह प्रवेश इस अवसर को और भी विशेष बनाता है। हरेली हमारी कृषि संस्कृति, प्रकृति और ग्रामीण जीवन से गहराई से जुड़ा पर्व है। किसान इस दिन कृषि औजारों और गौवंश की पूजा कर प्रकृति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हैं तथा अच्छी वर्षा, भरपूर फसल और परिवार की खुशहाली की कामना करते हैं। यह पर्व छत्तीसगढ़ की उस समृद्ध परंपरा का प्रतीक है, जिसमें प्रकृति, खेती और लोकजीवन एक-दूसरे से गहराई से जुड़े हुए हैं।

किसान छत्तीसगढ़ की प्रगति की धुरी : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था और ग्रामीण जीवन का मजबूत आधार खेती-किसानी है। किसान प्रदेश की प्रगति की धुरी हैं और उनकी समृद्धि में ही छत्तीसगढ़ की समृद्धि निहित है। राज्य सरकार किसानों की आमदनी बढ़ाने, खेती को लाभकारी बनाने और कृषि क्षेत्र में नई संभावनाओं के विस्तार के लिए निरंतर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि किसानों को उनकी उपज का बेहतर मूल्य दिलाना सरकार की प्राथमिकता है। प्रदेश में किसानों से 3,100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से प्रति एकड़ 21 क्विंटल तक धान की खरीदी की जा रही है। इससे किसान परिवारों की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी नई गति मिली है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि खेती की उत्पादकता बढ़ाने के लिए सिंचाई सुविधाओं का विस्तार भी तेजी से किया जा रहा है। हमारा प्रयास है कि अधिक से अधिक कृषि क्षेत्र को सुनिश्चित सिंचाई की सुविधा मिले, जिससे किसान वर्षा पर निर्भरता कम कर बेहतर उत्पादन प्राप्त कर सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों की आय बढ़ाने के लिए केवल परंपरागत खेती तक सीमित रहने के बजाय उन्हें कृषि से जुड़ी सहायक और आयमूलक गतिविधियों से जोड़ने पर भी जोर दिया जा रहा है।

हरेली पर मंत्री राजेश अग्रवाल ने डोंगरिया में पौधरोपण कर दिया हरित जीपीएम का संकल्प

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। हरेली तिहार पर पर्यटन, संस्कृति एवं धर्मस्व मंत्री और जीपीएम जिले के प्रभारी मंत्री राजेश अग्रवाल ने डोंगरिया के चारागाह स्थल में पौधरोपण कर जिलेवासियों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। मंत्री अग्रवाल ने ह्यहरित जीपीएम अभियानह्व के तहत जिले में 3 लाख 36 हजार से अधिक पौधों के रोपण की पहल की सराहना की और कहा कि हरेली जैसे कृषि पर्व को पर्यावरण संरक्षण से जोड़ना छत्तीसगढ़ की लोकपरंपरा को नई दिशा देना है। जिला प्रशासन द्वारा आयोजित जिला स्तरीय वृक्षारोपण एवं हरेली उत्सव की शुरूआत पारंपरिक कृषि यंत्र नागर एवं कोपर की पूजा-अर्चना के साथ हुई। इसके बाद डोंगरिया के चारागाह स्थल पर वृक्षारोपण किया गया। एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय डोंगरिया में आयोजित मंचीय कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि, ग्रामीण, विद्यार्थी, स्व-सहायता समूह की महिलाएं और अधिकारी-कर्मचारी शामिल हुए। मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि हरेली तिहार कृषि, प्रकृति और लोकजीवन से जुड़ा पर्व है। जनभागीदारी से जिले को हरा-भरा, स्वच्छ और सुंदर बनाना सराहनीय पहल है। विधायक प्रणव कुमार मरपच्ची ने कहा कि पौधरोपण से प्रकृति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त होती है और हर वर्ग को अपनी जिम्मेदारी निभाने की प्रेरणा मिलती है। नकलेक्टर विजय दयाराम के. ने बताया कि अभियान के तहत ग्राम पंचायत, नगर पालिका, स्कूल, आंगनबाड़ी, छात्रावास, स्वास्थ्य केंद्र, गौठान, चारागाह, सड़क-किनारे, अमृत सरोवर और पीएम आवास परिसरों में पौधरोपण किया गया।

मंत्री नेताम की पहल से बलरामपुर-रामानुजगंज में जल्द खुलेगा रेलवे रिजर्वेशन काउंटर

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। आदिम जाति और कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के लोगों की लंबे समय से चली आ रही महत्वपूर्ण मांग को प्रमुखता से उठाते हुए केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से आज सुबह दिल्ली में सौजन्य मुलाकात की। उन्होंने मांग पत्र प्रेषित कर बलरामपुर जिला मुख्यालय में शीघ्र रेलवे रिजर्वेशन काउंटर प्रारंभ कराने का आग्रह किया है। मंत्री रामविचार नेताम की मांग पर केन्द्रीय रेल मंत्री ने सहमति प्रदान करते हुए जल्द मांग पूरी करने का आश्वासन दिया। रेल्वे काउंटर बनने से हजारों यात्रों को राहत मिलेगी।

मंत्री नेताम ने अपने पत्र में उल्लेख किया है कि सरगुजा संभाग के अंतर्गत आने वाले बलरामपुर-रामानुजगंज जिले में रेलवे रिजर्वेशन काउंटर की सुविधा उपलब्ध नहीं होने से आम नागरिकों, विद्यार्थियों, नौकरीपेशा लोगों, व्यापारियों तथा मरीजों सहित हजारों यात्रियों को टिकट आरक्षण के लिए दूसरे शहरों का रुख करना पड़ता है। इससे समय और धन दोनों की अतिरिक्त हानि होती है तथा आम लोगों को अनावश्यक परेशानियों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के नागरिकों एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा लंबे समय से जिले में रेलवे रिजर्वेशन काउंटर खोलने की मांग लगातार की जा रही है। जनसंख्या, बढ़ती यात्रा आवश्यकताओं तथा क्षेत्रीय विकास को देखते हुए अब यह सुविधा उपलब्ध कराना अत्यंत आवश्यक हो गया है।

मंत्री नेताम ने केंद्रीय रेल मंत्री से आग्रह किया है कि जनहित एवं जनभावनाओं को ध्यान में रखते हुए बलरामपुर जिला मुख्यालय में रेलवे रिजर्वेशन काउंटर खोले जाने के लिए आवश्यक निर्देश जारी किए जाएं। इससे जिले के हजारों यात्रियों को बेहतर रेलवे सेवाएं उपलब्ध होंगी और उन्हें आरक्षण के लिए दूर-दराज के शहरों की यात्रा नहीं करनी पड़ेगी।

विजन 2047 की ओर बढ़ता छत्तीसगढ़, उद्योगों से आत्मनिर्भर और समृद्ध भविष्य की नई पहल

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। छत्तीसगढ़ आज औद्योगिक विकास के ऐसे दौर से गुजर रहा है, जहां विकास का उद्देश्य केवल नए उद्योग स्थापित करना नहीं, बल्कि रोजगार, निवेश, आधुनिक तकनीक और क्षेत्रीय संतुलन के माध्यम से प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाना है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार ने उद्योगों के लिए पारदर्शी, निवेश-अनुकूल और रोजगारोन्मुख वातावरण तैयार किया है। वहीं वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन के मार्गदर्शन में नई औद्योगिक नीतियों ने निवेशकों का विश्वास मजबूत किया है और छत्तीसगढ़ को देश के प्रमुख औद्योगिक राज्यों की कतार में खड़ा करने की दिशा में ठोस कदम बढ़ाए हैं।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन तथा आवास एवं पर्यावरण मंत्री ओ.पी. चौधरी ने 25 जून 2026 में टेक्सटाइल पार्क की पहली यूनिट का भूमिपूजन किया। तमिलनाडु की स्विफ्ट टेक्सटाइल्स प्राइवेट लिमिटेड 235 करोड़ रुपए के निवेश से यहां गारमेंट मैन्युफैक्चरिंग यूनिट लगा रही है। इस यूनिट से 4650 लोगों को रोजगार मिलेगा। टेक्सटाइल और गारमेंट मैन्युफैक्चरिंग के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ को देश-विदेश में नई पहचान दिलाने यह अहम कदम है।

प्रदेश में 3,009 नई औद्योगिक इकाइयां स्थापित हुईं, जिनसे 50,807 लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार

बीते ढाई वर्षों में राज्य को 264 औद्योगिक परियोजनाओं से लगभग 8.22 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए, जिनसे 1.72 लाख से अधिक रोजगार सृजन की संभावना है। इनमें से 154 परियोजनाएं निर्माण, भूमि आवंटन अथवा उत्पादन के चरण तक पहुंच चुकी हैं, जबकि कई इकाइयां पहले ही उत्पादन प्रारंभ कर चुकी हैं। इसी अवधि में प्रदेश में 3,009 नई औद्योगिक इकाइयां स्थापित हुईं, जिनसे 50,807 लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार मिला। यह दशार्ता है कि सरकार की औद्योगिक नीतियां केवल कागजों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि धरातल पर परिणाम दे रही हैं।

विनिर्माण इकाइयों को 100 प्रतिशत तथा सेवा क्षेत्र को 150 प्रतिशत तक वित्तीय प्रोत्साहन

राज्य सरकार द्वारा लागू औद्योगिक विकास नीति 2024-30 ने उद्योगों के लिए नई संभावनाओं के द्वार खोले हैं। विनिर्माण इकाइयों को 100 प्रतिशत तथा सेवा क्षेत्र को 150 प्रतिशत तक वित्तीय प्रोत्साहन, एमएसएमई और सेवा उद्योगों को पहली बार विशेष लाभ, टेक्सटाइल, लॉजिस्टिक्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और फार्मा जैसे भविष्य के क्षेत्रों के लिए विशेष पैकेज तथा स्थानीय युवाओं के रोजगार को बढ़ावा देने वाले प्रावधान इस नीति की प्रमुख विशेषताएं हैं। यही कारण है कि नवा रायपुर में देश का पहला एआई डेटा सेंटर एसईजेड और सेमीकंडक्टर क्षेत्र में निवेश जैसी बड़ी पहलें आकार ले रही हैं।

ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को सर्वोच्च प्राथमिकता

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की सरकार ने ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। 150 से अधिक सेवाओं वाला नया सिंगल विंडो सिस्टम, निवेशकों के लिए एआई आधारित वाणी प्रणाली, 500 से अधिक प्रशासनिक सुधार तथा प्रक्रियाओं का सरलीकरण निवेशकों के लिए बेहतर माहौल तैयार कर रहा है। औद्योगिक विकास का लाभ प्रदेश के प्रत्येक क्षेत्र तक पहुंचे, इसके लिए राज्य में 23 नए औद्योगिक क्षेत्र विकसित किए गए तथा 15 जिलों में 26 नए औद्योगिक कार्य स्वीकृत किए गए हैं। सरोरा में प्लास्टिक पार्क और नवा रायपुर में टेक्सटाइल, फार्मा एवं रेडीमेड गारमेंट पार्क जैसे प्रयास औद्योगिक आधार को और मजबूत बना रहे हैं।

सरकार का लक्ष्य अधिक से अधिक रोजगार सृजित करना और निवेश को तेजी से धरातल पर उतारना

हाल ही में विजन 2047 औद्योगिक विकास की संभावनाएं विषयक चर्चा में उद्योगमंत्री लखन लाल देवांगन ने स्पष्ट किया कि सरकार का लक्ष्य अधिक से अधिक रोजगार सृजित करना और निवेश को तेजी से धरातल पर उतारना है, ताकि स्थानीय युवाओं को अधिकतम अवसर मिल सकें। आने वाले वर्षों के लिए सरकार निर्यात नीति, स्टार्टअप एवं नवाचार नीति, कौशल विकास, इंटर्नशिप, एमएसएमई सशक्तिकरण और बस्तर-सरगुजा जैसे क्षेत्रों में औद्योगिक विस्तार पर विशेष ध्यान दे रही है। राज्य सरकार का उद्देश्य स्पष्ट है, प्रदेश के युवाओं को रोजगार मांगने वाला नहीं, बल्कि रोजगार देने वाला उद्यमी बनाना है।

राज्य में नई औद्योगिक नीति लागू होने के बाद पिछले 18 महीनों में 8 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा के निवेश का वादा मिला है, जिससे अलग-अलग सेक्टर में 1.6 लाख से ज्यादा रोजगार के अवसर पैदा होने की संभावना है। टेक्सटाइल और कपड़ों के अलावा, राज्य ने डेटा सेंटर, आईटी, फार्मास्यूटिकल्स, सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रिकल व इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग में भी बड़े निवेश आकर्षित किए हैं। यह छत्तीसगढ़ के इंडस्ट्रियल इकोसिस्टम और बिजनेस-फ्रेंडली माहौल में निवेशकों के बढ़ते भरोसे को दिखाता है।

नवा रायपुर में आधुनिक टेक्सटाइल पार्क की स्थापना

राज्य में वस्त्र एवं परिधान उद्योग को प्रोत्साहित करने नवा रायपुर में आधुनिक टेक्सटाइल पार्क की स्थापना की जा रही है। इसके 81 एकड़ क्षेत्र में 2758 वर्गमीटर से लेकर 38 हजार 180 वर्गमीटर आकार के भूखंड उपलब्ध हैं। टेक्सटाइल, गारमेंट एवं परिधान उद्योग, तकनीकी वस्त्र (ज्मबीदपबंस ज्मगजपसमे) तथा इनके सहायक एवं पूरक उद्योगों की स्थापना के लिए निवेशकों को यहां सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

प्रदेश आज उद्योगों की नई उड़ान भरने के लिए पूरी तरह तैयार

विजन 2047 की दिशा में छत्तीसगढ़ का यह औद्योगिक अभियान केवल आर्थिक विकास की कहानी नहीं, बल्कि एक ऐसे भविष्य का निर्माण है जहां निवेश, नवाचार, रोजगार और समावेशी विकास मिलकर आत्मनिर्भर, विकसित और समृद्ध छत्तीसगढ़ की मजबूत नींव रख रहे हैं।

संकल्प से शुरू हुई सेवा, बनी संरक्षण की मिसाल, सुरभि गौधाम में 208 गौवंश को मिला आश्रय

भटकते गौवंश के लिए करवां में खुला उम्मीद का द्वार, किसानों को जैविक खाद और ग्रामीणों को मिली रोजगार की राह

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। कभी सड़कों और गांव की गलियों में भटकते, दुर्घटनाओं की आशंका के बीच असुरक्षित जीवन जीते गौवंश को अब एक सुरक्षित आश्रय मिल रहा है। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा गौवंश एवं मवेशियों के संरक्षण और संवर्धन के लिए शुरू की गई सुरभि गौधाम योजना ऐसे ही प्रयासों को नई दिशा दे रही है। जब किसी संवेदनशील पहल को वर्षों की सेवा, शासन की योजना और समाज के सहयोग का साथ मिलता है, तो वह केवल एक व्यवस्था नहीं रहती, बल्कि बदलाव की कहानी बन जाती है। जिले के ग्राम पंचायत करवां स्थित सुरभि गौधाम आज ऐसी ही एक प्रेरक कहानी कह रहा है। यहां वर्तमान में 208 गौवंश को सुरक्षित आश्रय, चारा, उपचार और संरक्षण मिल रहा है। इनमें 43 घुमंतू गौवंश का रेस्क्यू कर उन्हें सुरक्षित वातावरण में रखा गया है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ शासन द्वारा गौवंश एवं मवेशियों के संरक्षण और संवर्धन के लिए शुरू की गई सुरभि गौधाम योजना ने जिले में वर्षों से व्यक्तिगत और सामाजिक प्रयासों के माध्यम से चल रहे गौवंश संरक्षण के कार्यों को नई दिशा दी है। जिले में योजना के अंतर्गत छह सुरभि गौधाम स्वीकृत हैं, जिनमें तीन का संचालन प्रारंभ हो चुका है, जबकि तीन गौधाम के निर्माण की प्रक्रिया जारी है।

कारवाँ का सुरभि गौधाम पूर्व में कामधेनु कल्पतरु सेवा संस्थान के रूप में वर्ष 2000 से संचालित हो रहा है। संस्थान के संस्थापक ललन राम राजवाड़े ने घुमंतू एवं निराश्रित गौवंश को सुरक्षित आश्रय देने का संकल्प लेकर इस कार्य की शुरुआत की थी। सीमित संसाधनों के बीच जनसहयोग, स्वयं के प्रयास और श्रम से

वर्षों तक इस सेवा को जारी रखा गया। अब शासन की सुरभि गौधाम योजना से जुड़ने के बाद इस सेवा को संस्थागत सहयोग और विस्तार का अवसर मिला है। ललन राम राजवाड़े बताते हैं कि उनका उद्देश्य ऐसा आश्रय तैयार करना था, जहां घुमंतू गौवंश को सुरक्षित रखा जा सके और जरूरतमंद किसानों को उपयोगी गौवंश उपलब्ध कराया जा सके। आज शासन-प्रशासन के सहयोग से उनका यह वर्षों पुराना संकल्प और मजबूत हुआ है। इस सम्बन्ध में पशु चिकित्सा विभाग के उप संचालक डॉ. नृपेंद्र सिंह ने बताया कि कलेक्टर श्रीमती रेना जमील के निर्देशानुसार जिले में गौवंश संरक्षण एवं संवर्धन को लेकर लगातार कार्य किया जा रहा है। गौधाम में पशु चिकित्सकों द्वारा नियमित स्वास्थ्य परीक्षण, उपचार एवं टीकाकरण किया जा रहा है। कृत्रिम गर्भाधान सहित आवश्यक पशु चिकित्सा सेवाएं भी उपलब्ध कराई जा रही हैं। उन्होंने बताया कि भविष्य में गौधाम में प्रशिक्षण केंद्र, हरे चारे का उत्पादन, जैविक खाद निर्माण तथा पशु मित्र एवं चरवाहे की व्यवस्था विकसित करने की दिशा में कार्य किया जाएगा। इससे गौधाम की व्यवस्थाएं मजबूत होने के साथ स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे। गौधाम के संचालन में समिति के अध्यक्ष बेचन राम राजवाड़े, उपाध्यक्ष राम कुशवाहा, कोषाध्यक्ष रामेश्वर कुशवाहा, सचिव कामेश्वर राजवाड़े, संस्थापक ललन राम राजवाड़े, संरक्षक अरुण सिंह तथा सदस्य सुमन सिंह, राजकुमार कुशवाहा, हेमराज सिंह, ज्ञान साय राजवाड़े एवं अर्जुन कुशवाहा सक्रिय रूप से जुड़े हुए हैं। आज करवां का सुरभि गौधाम केवल गौवंश के लिए आश्रय नहीं, बल्कि सेवा से संरक्षण, संरक्षण से संवर्धन और संवर्धन से आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ता एक प्रयास है। वर्षों पहले एक व्यक्ति के संकल्प से शुरू हुई यह यात्रा अब छत्तीसगढ़ शासन की योजना, जिला प्रशासन की पहल, पशु चिकित्सा विभाग की सेवाओं और ग्रामीणों के जनसहयोग से नई ऊंचाइयों की ओर बढ़ रही है। यही सामूहिक प्रयास आने वाले समय में गौवंश के लिए सुरक्षित आश्रय और ग्रामीण क्षेत्र में रोजगार व जैविक अर्थव्यवस्था की नई संभावनाओं का आधार बनेगा।

सड़क सुरक्षा में भी मददगार

जिला प्रशासन एवं पशु चिकित्सा विभाग द्वारा घुमंतू गौवंश को सुरक्षित स्थान उपलब्ध कराने के लिए लगातार रेस्क्यू अभियान चलाए जा रहे हैं। सड़कों पर विचरण करने वाले मवेशियों को गौधाम तक पहुंचाकर उनकी बेहतर देखभाल सुनिश्चित की जा रही है। इससे गौवंश को दुर्घटनाओं से सुरक्षित रखने के साथ सड़कों पर मवेशियों के विचरण से उत्पन्न होने वाली दुर्घटनाओं की आशंका को कम करने में भी मदद मिल रही है।

जैविक उत्पाद और रोजगार का केंद्र

गौधाम में नेपियर घास, भूसा एवं पैरा की व्यवस्था की गई है। स्थानीय किसानों और ग्रामीणों द्वारा भी पैरा एवं चारा उपलब्ध कराकर सहयोग किया जा रहा है।

संस्थान द्वारा गोबर से जैविक खाद, जीवामृत, पंचगव्य आधारित खाद, गोबर कंडे, गोबर गैस एवं जैविक कीटनाशक तैयार करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। भविष्य में किसानों से प्राप्त पैरा के बदले उन्हें जैविक खाद उपलब्ध कराने की योजना है। इससे गौधाम को चारे की उपलब्धता मिलेगी, किसानों को जैविक खाद का लाभ मिलेगा और फसल अवशेषों के बेहतर उपयोग को बढ़ावा मिलेगा।

सरहरी की सड़क पर मौत बनकर झुका विशालकाय आम का पेड़, हादसे का खतरा

ग्रामीण बोले-समय रहते जिम्मेदार उठाएं एहतियाती कदम

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले के प्रतापपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम सरहरी में मुख्य सड़क के किनारे खड़ा विशाल आम का पेड़ इन दिनों राहगीरों के लिए गंभीर खतरा बना हुआ है। पेड़ का तना और भारी भरकम शाखाएं सड़क की ओर पूरी तरह झुक गई हैं। ऐसे में कभी भी पेड़ या उसकी भारी शाखाएं सड़क पर गिरने से बड़ा हादसा हो सकता है। सरहरी से होकर गुजरने वाला यह मार्ग प्रतापपुर जाने वाले प्रमुख एवं व्यस्त मार्गों में शामिल है। इस सड़क से प्रतिदिन बड़ी संख्या में स्कूली छात्र छात्राएं, ग्रामीण, दोपहिया वाहन चालक और अन्य राहगीर आवागमन करते हैं। सड़क के ठीक ऊपर झुका विशाल पेड़ हर समय दुर्घटना की आशंका पैदा कर रहा है। वर्तमान में बारिश का मौसम होने के कारण खतरा और बढ़ गया है। तेज हवा और लगातार बारिश से जमीन में नमी बढ़ने पर पेड़ की जड़ें कमजोर होने की आशंका रहती है। यदि भारी शाखा अचानक सड़क पर गिरती है तो इसकी चपेट में आने वाले वाहन और राहगीर गंभीर रूप से घायल

हो सकते हैं और जनहानि हो सकती है। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि पेड़ की स्थिति लंबे समय से चिंताजनक बनी हुई है। इसके बावजूद अब तक संबंधित विभाग की ओर से इसे हटाने को लेकर ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। ग्रामीणों ने वन विभाग से तत्काल मौके का निरीक्षण कर पेड़ की स्थिति का आकलन करने तथा खतरा बनने वाले हिस्से को सुरक्षित तरीके से हटाने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क पर खतरा साफ दिखाई दे रहा है। ऐसे में किसी दुर्घटना का इंतजार करने के बजाय समय रहते एहतियाती कदम उठाना जरूरी है। लोगों ने प्रशासन एवं संबंधित विभाग से तत्काल कार्रवाई कर स्कूली बच्चों, वाहन चालकों और आम राहगीरों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है।

इंटरस्टेट बॉर्डर मीटिंग में महत्वपूर्ण मुद्दों पर हुई चर्चा, सुरक्षा हेतु बनी रणनीति

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। पुलिस अधीक्षक योगेश कुमार पटेल के निर्देश पर इंटरस्टेट बार्डर पर सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने, आपराधिक गतिविधियों पर

अंकुश लगाने, अपराधियों की धरपकड़ एवं बेहतर समन्वय के साथ कार्य करने की रणनीति को लेकर बुधवार को जिले के थाना चांदनी एवं मध्यप्रदेश के सिंगरौली जिले के थाना माड़ा के पुलिस अधिकारियों के बीच महत्वपूर्ण बैठक हुई। इस बैठक में जिले के इंटर स्टेट बॉर्डर पर तैनात पुलिस टीम के साथ कड़ी सुरक्षा के लिए संयुक्त रूप से कार्रवाई पर चर्चा हुई। बार्डर पर नशीले पदार्थों के परिवहन और संदिग्ध वस्तुओं की आवाजाही पर नजर रखकर सूचनाओं का आदान-प्रदान और कार्रवाई, सीमावर्ती ग्रामों के असामाजिक तत्वों पर लगातार नजर रखकर उनके खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई करने, फरार आरोपियों और वारंटों की तामीली समन्वय स्थापित कर सूची का आदान प्रदान करने, आवश्यक सूचनाओं का लगातार आदान-प्रदान, सीमावर्ती ग्रामों के लायसेंसी दारानों पर लगातार निगरानी रखना एवं सीमावर्ती ग्रामों में नियमित रूप से पेट्रोलिंग करना पर बल दिया गया।

बैठक में थाना प्रभारी चांदनी रामप्रताप साहू व थाना माड़ा के एएसआई निलेश मिश्रा सहित पुलिस अन्य अधिकारीगण मौजूद रहे।

कार्यालय प्रमुख अभियन्ता,
लोक निर्माण विभाग, नवा रायपुर अटल नगर
(केन्द्रीय निविदा प्रकोष्ठ) ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना
Main Portal: https://eproc.cgstate.gov.in

निम्नलिखित कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है।

स.क्र.	सिस्टम निविदा क्रमांक / दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (रुपये लाख में)
1	197061 चतुर्थ आमंत्रण 06.08.2026	जिला रायपुर के कचना में 209 जी.ए.डी. आवास कैम्पस में जी टाईप आवासगृह, बाउण्ड्रीवॉल इत्यादि निर्माण कार्य, विद्युतीकरण सहित।	784.72
2	197066 द्वितीय आमंत्रण 06.08.2026	जिला कबीरधाम के सैगोना से समनापुर मार्ग पर सकरी नदी पर जलमग्नीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य।	435.80
3	197069 तृतीय आमंत्रण 06.08.2026	जिला दुर्ग के ढौर-मलपुरीखुर्द मार्ग में लोर नाला पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य।	355.68
4	196666 द्वितीय आमंत्रण 06.08.2026	जिला महासमुंद के विकासखंड बसना के तिलईदादर-दलदली मार्ग लंबाई 1.90 कि.मी. का पुल पुलिया सहित निर्माण कार्य।	264.45
5	196664 द्वितीय आमंत्रण 06.08.2026	सोनसरी से मुंकुदपुर पहुंच मार्ग लंबाई 8.675 कि.मी. का निर्माण कार्य।	1835.02
6	197071 पंचम आमंत्रण 06.08.2026	जिला रायपुर के नवीन शासकीय आई.टी.आई. बंगोली (खरोरा) विकासखंड तिल्दा में महाविद्यालय भवन, 50 सीटर छात्रावास भवन एवं एफ टाईप क्वार्टर का निर्माण कार्य, वॉटर सप्लाई, सेनेटरी फिटिंग एवं विद्युतीकरण कार्य सहित । संभाग – विधानसभा संभाग रायपुर।	521.50
7	197077 तृतीय आमंत्रण 06.08.2026	बसंतपुर कारियाम (मुख्य जिला मार्ग क्रमांक 79) कि.मी. 3/6 से 15/10 कुल लंबाई 12.60 कि.मी. में मजबूतीकरण का निर्माण कार्य।	917.26
8	197079 तृतीय आमंत्रण 06.08.2026	सरगांव पथरिया मार्ग के कि.मी. 1/2 से 5/10 , 7/2 से 7/10 , 11/2 से 12/10 एवं 14/2 = 9.00 कि.मी. मजबूतीकरण का निर्माण कार्य।	578.30
9	197085 तृतीय आमंत्रण 06.08.2026	जिला रायपुर संभागीय आयुक्त संचालक कोष लेखा एवं पेंशन रायपुर तथा लेखा प्रशिक्षण संस्थान रायपुर के भवन निर्माण कार्य, वॉटर सप्लाई, सेनेटरी फिटिंग एवं विद्युतीकरण कार्य सहित निर्माण कार्य।	677.54
10	197087 द्वितीय आमंत्रण 06.08.2026	जिला सूरजपुर के विकासखण्ड ओडगी के मुख्य मार्ग चोंगा से भोड़वानीपारा होते हुए मौहारीपारा तक पहुंच मार्ग लं. 4.20 कि.मी. (वास्तविक लं. 2.20 कि.मी.) पुल –पुलिया सहित निर्माण कार्य।	518.87
11	197088 द्वितीय आमंत्रण 06.08.2026	जिला जशपुर के विकासखण्ड कांसाबेल के सूजीबहार से ढुढरूडांड पहुंच मार्ग लंबाई 2.10 कि.मी. पुल पुलिया सहित निर्माण कार्य।	214.04
12	197089 द्वितीय आमंत्रण 06.08.2026	जिला जांजगीर –चांपा के अरसिया – बिर्रा मार्ग में सोन नदी पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य।	948.31
13	197090 द्वितीय आमंत्रण 06.08.2026	जिला कांकेर के मरोडा-बेलगांव-छोटेबिटिया मार्ग के कि.मी. 6/6 बेलगाल नाला पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य।	396.64
14	197091 द्वितीय आमंत्रण 07.08.2026	नवापारा (ब) से महुदा (ब) मार्ग लंबाई 4.50 कि.मी. का निर्माण कार्य।	439.47
15	197100 द्वितीय आमंत्रण 07.08.2026	कोरबा रिंग रोड से मेडिकल कॉलेज पहुंच मार्ग लंबाई 970 मीटर का निर्माण कार्य,जमा मद।	491.77
16	197102 द्वितीय आमंत्रण 07.08.2026	नगझर से नवापारा तक मार्ग लंबाई 6.50 कि.मी. का निर्माण कार्य।	755.40
17	197107 द्वितीय आमंत्रण 07.08.2026	जिला मनेन्द्रगढ– चिरमिरी– भरतपुर के नागपुर में शासकीय नवीन महाविद्यालय भवन का निर्माण कार्य।	453.59
18	197108 द्वितीय आमंत्रण 07.08.2026	जिला गरियाबंद के जोबा-खरता (दर्रीपारा –जैतपुरी–आमदी) मार्ग के सती नाला पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य।	648.98
19	197112 द्वितीय आमंत्रण 07.08.2026	जिला दुर्ग के सेलूद जामगांव रानीतराई पाटन मार्ग लंबाई 37.788 कि.मी. में डामर नवीनीकरण का कार्य।	1095.96

निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि सं.क्र. 01 सं.क्र. 03 सं.क्र. 06 से सं.क्र. 09 दिनांक 21.08.2026 निर्धारित है एवं अन्य शेष निविदाओं के लिए दिनांक 27.08.2026 निर्धारित है। निविदा में भाग लेने की प्रक्रिया एवं निविदा के संबंध में विस्तृत जानकारी विभाग के उपरोक्त वेबसाईट में देखे जा सकते हैं।

मुख्य अभियन्ता
केन्द्रीय निविदा प्रकोष्ठ
कार्यालय प्रमुख अभियन्ता
लोक निर्माण विभाग, नवा रायपुर अटल नगर

जी-262702731/1

पिता के हत्यारे पुत्र को न्यायालय ने सुनाई आजीवन कारावास की सजा

उत्कृष्ट विवेचना पर एसपी ने विवेचक को दिया नगद पुरस्कार

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। पिता के हत्यारे पुत्र को दोषसिद्ध होने पर न्यायालय ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। बताया गया है कि 14 नवंबर 2024 की रात के मृतक खेमसाय घर नहीं आया था। दूसरे दिन 15 नवंबर 2024 की दोपहर खेमसाय शराब के नशे में घर आया, उस समय उसकी पत्नी सुशीला पैकरा खाना खा रही थी जिसे गाली-गलौज कर थाली को लात मारकर बर्तन पटक दिया और पुत्र भुवन पैकरा को बुलाने के लिए कहा। जिसके बाद सुशीला घर के

बाहर स्थित नीम पेड़ के पास चली गई, वहाँ पर भी उसका पति खेमसाय आकर गाली-गलौज कर लड़ाई-झगड़ा करने लगा। जिसके बाद वह घर चली गई। इसी दौरान उसका पुत्र आरोपी भुवन पैंकरा आया और हमेशा विवाद करते हो कहकर टांगा से अपने पिता खेमसाय पर प्रहार कर दिया। जिससे खेमसाय वहीं पर गिर गया और मौके पर ही इसकी मृत्यु हो गई। प्रार्थी मनराखन पैकरा की रिपोर्ट पर मर्ग कायमी उपरान्त चौकी चेन्द्रा थाना झिलमिली में धारा 103(1) भारतीय न्याय संहिता के अंतर्गत प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज किया।

प्रकरण की विवेचना चौकी प्रभारी चेन्द्रा एएसआई लक्ष्मी प्रसाद गुप्ता ने करते हुए 16 नवंबर.2024 को आरोपी भुवन पैंकरा को गिरफ्तार कर घटना में प्रयुक्त टांगा जप्त कर पुख्ता साक्ष्य संकलित कर आरोप पत्र सत्र न्यायाधीश सूरजपुर के यहां पेश किया। अभियोजन की ओर से पैरवी लोक अभियोजक राजू दास के द्वारा की गई। इस मामले की सुनवाई न्यायाधीश थॉमस एक्का सत्र न्यायाधीश सूरजपुर के यहां हुई। न्यायालय ने मामले की सुनवाई पूरी कर निर्णय 11 अगस्त.2026 में प्रकरण की

आरोपी भुवन पैंकरा

सम्पूर्ण परिस्थितियों, साक्ष्यों के आधार पर दोषसिद्ध आरोपी भुवन पैंकरा 19 वर्ष ग्राम रैसरी, चौकी चेन्द्रा को भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1) के अपराध में आजीवन कारावास और 5 हजार रूपये के अर्थदण्ड से दंडित किया है। अपराध की उत्कृष्ट विवेचना एवं पुख्ता साक्ष्य संकलन के लिए पुलिस अधीक्षक योगेश कुमार पटेल द्वारा विवेचक तत्कालीन एएसआई, वर्तमान एसआई लक्ष्मी प्रसाद गुप्ता को नगद पुरस्कार से पुरस्कृत किया है।

कार्यालय वनमण्डलाधिकारी कटघोरा वनमण्डल
कटघोरा जिला: कोरबा (छ.ग.)
फोन / फैक्स नं. 07815-250157

नीलाम सूचना

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि कटघोरा वनमण्डल के अंतर्गत कसनिया काष्ठागार में नीलाम दिनांक 18.08.2026 को रखी गई निम्नानुसार ईमारती काष्ठ / जलाऊ चटटा / व्यापारिक बांस / आद्योगिक बांस का ई- ऑक्शन द्वारा निवर्तन किया जावेंगा। इच्छुक बोलीदारों से अनुरोध है कि वे ई-ऑक्शन में भाग लेवें । ई-ऑक्शन की शर्ते एवं अन्य जानकारी कार्यालयीन दिवस व समय पर वनमण्डल कार्यालय / काष्ठागार कसनिया से प्राप्त की जा सकती है।

विवरण

अ.क्र.	प्रजाति	पिछले नीलाम का शेष		नया वनोपज		योग	
		लट्ठा	बल्ली / डेंगरी	लट्ठा	बल्ली / डेंगरी	लट्ठा	बल्ली / डेंगरी
		घ.मी	नग	घ.मी	नग	घ.मी	नग
1	सागौन	342.915	7300	152.918	3561	495.833	10861
2	साल	5545.983	7150	827.416	1416	6373.399	8566
3	बीजा	425.675	432	125.740	348	551.415	780
4	तिंसा	35.717	288	11.993	201	47.710	489
5	शीशम	0.000	0			0.000	0
6	खम्हार	0.208	32			0.208	32
7	हल्दू	17.901	17			17.901	17
8	साजा	219.018	1132	70.089	323	289.107	1455
9	धावड़ा	214.114	1148	63.374	389	277.488	1537
10	सलिहा	26.641	0	2.482		29.123	0
11	नीलगिरी	1.591	130	3.531		5.122	130
12	शीशु	0.000	0			0.000	0
13	अन्य	612.104	2496	24.778	435	636.882	2931
14	तेन्दू	13.918	17	8.234		22.152	17
	योग (काष्ठ)	7455.785	20142	1290.555	6673	8746.340	26815
14	सागौन जलाऊ	0	चट्टा	0	चट्टा	0	चट्टा
15	सतकठा जलाऊ	2245	चट्टा	0	चट्टा	2245	चट्टा
16	कर्रा जलाऊ	0	चट्टा	0	चट्टा	0	चट्टा
17	नीलगिरी	0	चट्टा	0	चट्टा	0	चट्टा
18	सलिहा जलाऊ	88	चट्टा	0	चट्टा	88	चट्टा
	योग (जलाऊ)	2333	चट्टा	0	चट्टा	2333	चट्टा
19	व्यापारिक बांस (नग)	0	नग	0	नग	0	नग
		0.000	नो.टन	0.000	नो.टन	0.000	नो.टन
20	औद्योगिक बांस (बण्डल)	426	बण्डल	0.00	बण्डल	426	बण्डल
		3.899	नो.टन	0.000	नो.टन	3.899	नो.टन
	योग (बांस)	3.899	नो.टन	0.000	नो.टन	3.899	नो.टन

वनमण्डलाधिकारी
कटघोरा वनमण्डल, कटघोरा

जी-262702716/1

हाथ-पैर में दर्द की शिकायत पर पत्नि को लेकर आया था इलाज कराने, हो गई मौत

निजी अस्पताल प्रबंधन पर इलाज में लापरवाही, दवा का बिल नहीं देने सहित अन्य आरोप

छ.ग.फ्रंटलाइन अबिकापुर। शहर के एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान कथित लापरवाही से युवती की मौत का आरोप स्वजन लगा रहे हैं। मृतका के पति ने अस्पताल प्रबंधन पर बिल नहीं देने, समय पर छुट्टी नहीं देने और गलत इलाज करने का आरोप लगाया है।

मृतका काजल कुजूर 23 वर्ष, निवासी आदर्शनगर सीतापुर के पति अमित पन्ना निवासी जंगलीजोबा थाना कमलेश्वरपुर ने पुलिस को बताया है कि उसका प्रेम विवाह वर्ष 2025 में हुआ था। परिवार में मां, पिता, भाई, पत्नि और 3 माह की बच्ची है। पत्नि काजल को पिछले 4-5 दिन से हाथ-पैर और पूरे शरीर में दर्द की शिकायत थी। 09 अगस्त को वह उसे इलाज के लिए अंबिकापुर लेकर आया और एक निजी अस्पताल में जांच कराए। यहां डॉ. आशीष जायसवाल ने जांच रिपोर्ट में सीआरपी बढ़ा हुआ, खून में इंफेक्शन और हार्ट में सूजन होना बताया, और भर्ती कराने पर 3 दिन में 12 से 14 हजार रुपये अनुमानित खर्च होने की जानकारी दी। पैसे और रुकने की व्यवस्था नहीं होने के कारण वे उसे अगले दिन लेकर आने की बात कहकर घर लौट गए। इसके बाद 10 अगस्त को काजल को उसी अस्पताल में भर्ती कराया।

तुम्हारे हिसाब से अस्पताल नहीं चलेगा-अमित के अनुसार भर्ती करने के बाद 11 अगस्त को अस्पताल के कर्मचारी ने उन्हें 7900 रुपये जमा करने के लिए कहा गया। आरोप है कि, इसके बाद दवा का बिल मांगने पर नहीं दिया गया और कहा गया कि तुम्हारे हिसाब से अस्पताल नहीं चलेगा। रुपये जमा करने के बाद जब उन्होंने दूसरी जगह इलाज कराने के लिए छुट्टी मांगी तो डॉक्टर इधर-उधर हैं, कहकर छुट्टी नहीं दी गई। इसी बीच शाम को उसकी पत्नि को सांस लेने में परेशानी होने लगी। मुंह से सफेद झाग और खून आने लगा। बेहोशी की हालत में रात 09 बजे इन्हें 1900 रुपये जमा कराने के बाद मरीज को ले जाने के लिए कहा गया। पीड़िता को एम्बुलेंस से रात 09.30 बजे वे होलीक्रॉस अस्पताल लेकर पहुंचे, यहां आपातकालीन चिकित्सा कक्ष में डॉक्टर ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

गलत इलाज का जताया संदेह-अमित ने गलत इलाज के कारण पत्नि की मौत होने का आरोप लगाते हुए संदेह व्यक्त किया है। पुलिस मामले में मर्ग कायम कर लनी है, और मृतिका के शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन के सुपुर्द कर दिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद पुलिस आगे की पड़ताल करेगी।

बाइक की ठोकर से घायल वृद्ध की इलाज के दौरान मौत

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। बाइक की ठोकर से घायल वृद्ध की निजी अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है। जानकारी के मुताबिक, बतौली थाना क्षेत्र के ग्राम कुनकुरी का दिलबहाल पिता सुखु राम 60 वर्ष, मंगलवार को दिन में करीब 11 बजे गांव में ही पैदल बैल चराने के लिए जा रहा था। इसी दौरान कुनकुरी चैक में तेज रफ्तार मोटरसायकल के चालक ने उसे ठोकर मार दिया, जिसमें उसे गंभीर चोटें आई थी। आसपास मौजूद लोगों ने इसकी सूचना स्वजन को दी और घायल को शांतिपारा, बतौली स्वास्थ्य केन्द्र लेकर गए। यहां से प्राथमिक उपचार के बाद उसकी स्थिति खराब देखते हुए चिकित्सक ने रिफर कर दिया था। घायल को मेडिकल कॉलेज संबद्ध जिला अस्पताल लाने के बाद यहां जांच, उपचार के बाद चिकित्सक ने आईसीयू में भर्ती कराने के लिए कहा, लेकिन बेड खाली नहीं होने के कारण स्वजन उसे प्रकाश अस्पताल ले गए। यहां इलाज के दौरान देर रात 1.50 बजे उसकी मौत हो गई। अस्पताल प्रबंधन के द्वारा दी गई सूचना पर पुलिस ने मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराया है।

घर का ताला तोड़कर नकदी, बर्तन और कागजात पार

छ.ग.फ्रंटलाइन लुण्ड्रा। थाना क्षेत्र के ग्राम अमगांव में दिनदहाड़े घर का ताला तोड़कर अज्ञात चोर ने 10 हजार रुपये नकद सहित 20 हजार का बर्तन पार कर दिया। घटना 10 अगस्त सुबह की है।

जानकारी के मुताबिक, ग्राम अमगांव निवासी नान कुमार मरावी सुबह 8 बजे मनरेगा के तहत पौधा रोपण के काम पर गया था, उनकी पत्नि आंगनबाड़ी सहायिका है, जो सुबह 9.40 बजे घर में ताला लगाकर अपने कार्यस्थल चली गई थी। चाबी घर के दीवार में रखी थी। सुबह 10.12 बजे गांव के मदन राम ने फोन करके बताया कि उनके घर का ताला खुला है और नीचे गिरा हुआ है। इसके बाद नान कुमार ने मदन को घर के अंदर जाकर स्थिति देखने कहा, लेकिन वह इसके लिए राजी नहीं हुआ। इसके बाद वह नान कुमार के पिता को चोरी की घटना से अवगत कराया और उनके साथ घर के अंदर गया तो अलमारी और पेटी का ताला टूटा हुआ था, चोरों ने पूरा सामान बिखेर दिया था। चोर अलमारी के लॉकर से नकद रकम 10 हजार रुपये, आधार कार्ड, पेन कार्ड, एटीएम कार्ड और पेटी से कांसा की थाली और लोटा 9 नग, कीमत 10 हजार रुपये ले गए थे। लुण्ड्रा पुलिस मामले की जांच कर रही है।

भालू के हमले में घायल वृद्ध की रायपुर ले जाते समय मौत

छ.ग.फ्रंटलाइन उदयपुर। जंगल में मवेशी चराने गए 65 वर्षीय वृद्ध पर भालू के हमले से ग्राम सितकालो निवासी चैतु मझवार की उपचार के लिए रायपुर ले जाते समय रास्ते में मौत हो गई। घटना 10 अगस्त को दोपहर करीब 12 बजे चिंड्राबाहर रनई टोंगरी, बीट मरेया, वन कक्ष क्रमांक 2199 के जंगल क्षेत्र में हुई।

जानकारी के मुताबिक, चैतु मझवार अपने खेत की ओर मवेशी चराने गया था। इसी दौरान जंगल में अचानक भालू ने उन पर हमला कर दिया। हमले में वे गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही स्वजन और ग्रामीणों ने उन्हें तत्काल सीएचसी उदयपुर पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें मेडिकल कॉलेज संबद्ध जिला चिकित्सालय रेफर किया गया। यहां से बेहतर इलाज के लिए रायपुर ले जाते समय कटघोरा के पास रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। इसके बाद स्वजन वापस उदयपुर पहुंचे। पुलिस ने मृतक के शव का पोस्टमार्ट कराया है।

वन विभाग ने दी 25 हजार की तत्कालिक सहायता

घटना की जानकारी मिलते ही डीएफओ लोकनाथ पटेल के निर्देश और एसडीओ बिजेंद्र सिंह ठाकुर के मार्गदर्शन में वन विभाग की टीम मृतक के घर पहुंची। वन परिक्षेत्र अधिकारी फेंकू प्रसाद चौबे, वनपाल गिरीश बहादुर सिंह, वनरक्षक बसंत राम, इग्नेश बैक एवं राजू टोप्पो ने परिजनों को तत्काल 25 हजार रुपये की सहायता राशि प्रदान की। वन अमले ने बताया कि प्रकरण तैयार करके शासन को भेजा जाएगा और नियमानुसार शेष सहायता राशि भी दी जाएगी।

ग्रामीणों में दहशत

भालू के हमले के बाद सितकालो सहित आसपास के गांवों में दहशत है। ग्रामीण जंगल में मवेशी चराने और रोजमर्रा के कामों के लिए जाने से डर रहे हैं। उन्होंने वन विभाग से क्षेत्र में निगरानी बढ़ाने और जंगली जानवरों से सुरक्षा के लिए जरूरी कदम उठाने की मांग की है।

सुपरवाइजर की नौकरी के नाम पर युवती से 50 हजार की ठगी, स्कार्पियो वाहन भी ले गए

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। महिला बाल विकास विभाग में महिला सुपरवाइजर की नौकरी लगवाने के नाम पर 50 हजार रुपये की ठगी और स्कार्पियो वाहन नहीं लौटाने का मामला सामने आया है। पीड़िता सोनम जायसवाल निवासी बौरीपारा की शिकायत पर गांधीनगर थाने में धारा 420, 34 भादवि के तहत अपराध दर्ज किया गया है।

जानकारी के मुताबिक, सोनम के पिता कैलाश जायसवाल की पहचान करीब ढाई साल पहले उनके घर में काम कर रहे राजमिस्त्री दया यादव के माध्यम से विजय गुप्ता निवासी ग्राम सलका और संजय घोष निवासी ग्राम डिगमा से हुई थी।

राजमिस्त्री बताया था कि विजय गुप्ता छत्तीसगढ़ मंत्रालय में पैसे लेकर नौकरी लगवाता है। इसी बीच 26 अगस्त 2023 को महिला एवं बाल विकास विभाग में नौकरी के लिए पोस्ट निकला। एमएससी तक शिक्षा प्राप्त सोनम ने दया यादव के बताए अनुसार विजय गुप्ता के मोबाइल नंबर में संपर्क किया, तो उसने सुपरवाइजर के पद पर नौकरी लगवाने के लिए सहमति देते हुए कहा कि, इसके लिए 4 लाख रुपये देना पड़ेगा। इसके बाद वह पैसा देने के लिए तैयार हो गई। विजय गुप्ता ने ग्राम डिगमा के संजय घोष नामक व्यक्ति के आने और उसे पैसा दे देने के लिए कहा। युवती ने एक साथ 4 लाख रुपये दे पाने में असमर्थता व्यक्त की और किस्तों में पैसा देने तथा नौकरी लगने पर पूरा पैसा दे देने की बात कही, इस पर विजय गुप्ता ने पहला किस्त 50 हजार रुपये देने के लिए कहा। इसके बाद संजय घोष इनके पास से रकम लेकर चले गया। सुपरवाइजर के लिए परीक्षा का परिणाम सामने आने के बाद सोनम का नाम नहीं आया। इसके बाद आरोपियों की नजर युवती के चाचा के स्कार्पियो वाहन पर लगी। इन्होंने सोनम के पिता से कहा कि बड़े अधिकारियों से उसका परिचय है, स्कार्पियो वाहन क्रमांक सीजी 15 सीक्यू 7042 को किराए पर लगवा देंगे, जिससे हर महीने किराया मिलता रहेगा। यह कहकर दिनेश जायसवाल के नाम पर पंजीकृत वाहन को आरोपी ले गए, लेकिन आज तक न ही वाहन लौटाया और न ही किराया दिया। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ धारा 420, 34 भादंसं का मामला दर्ज कर लिया है, और जांच शुरू कर दी है।

जिले के सभी अमृत सरोवरों में धूमधाम से होगा स्वतंत्रता दिवस का आयोजन

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में विकसित भारत जी राम जी योजना के तहत निर्मित एवं विकसित किए गए अमृत सरोवरों में 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस का पर्व उल्लास, उत्साह और देशभक्ति की भावना के साथ मनाया जाएगा। कलेक्टर अजीत वसंत के मार्गदर्शन एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विनय कुमार अग्रवाल के निर्देशन में जिले के सभी अमृत सरोवरों में राष्ट्रीय ध्वजारोहण के साथ विभिन्न जन-जागरूकता एवं सामुदायिक गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अमृत सरोवरों को केवल जल संरक्षण के केंद्र के रूप में नहीं, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों के सामाजिक, सांस्कृतिक एवं सामुदायिक गतिविधियों के केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में विशेष पहल की जाएगी। आयोजन में ग्राम पंचायत के प्रतिनिधि, अमृत सरोवर से जुड़े हितग्राही, युवा, महिला स्व-सहायता समूहों की सदस्याएं, स्कूली छात्र-छात्राएं एवं ग्रामीण उत्साहपूर्वक शामिल होंगे।

शहीद परिवार या वरिष्ठ नागरिक करेंगे ध्वजारोहण-अमृत सरोवर स्थल पर आयोजित कार्यक्रम में शहीद परिवार के सदस्य अथवा स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े वरिष्ठ नागरिक द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाएगा। इसके पश्चात राष्ट्रगान एवं देशभक्ति की भावना से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। आयोजन के माध्यम से नई पीढ़ी को स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास, देश के प्रति जिम्मेदारी और राष्ट्रप्रेम का संदेश दिया जाएगा।

रैली और प्रभात फेरी से गूंजेगा देशभक्ति का संदेश-ध्वजारोहण के बाद स्कूली बच्चे, युवा एवं ग्रामीण हाथों में तिरंगा लेकर प्रभात फेरी एवं तिरंगा रैली निकालेंगे। इसके माध्यम से गांव में देशभक्ति, राष्ट्रीय एकता और सामाजिक सहभागिता का संदेश दिया जाएगा। ग्रामीणों की भागीदारी से अमृत सरोवर परिसर में स्वतंत्रता दिवस का उत्सवी वातावरण निर्मित होगा।

पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने पौधारोपण/श्रमदान-स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अमृत सरोवर परिसर में वृहद पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। ग्रामीणों एवं जनप्रतिनिधियों की सहभागिता से पौधे लगाए जाएंगे तथा उनके संरक्षण का संकल्प लिया जाएगा। इसके साथ ही सरोवर परिसर में श्रमदान के माध्यम से स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। कार्यक्रम में ग्रामीणों को 'जल बचाओ, स्वच्छता अपनाओ' का संकल्प भी दिलाया जाएगा।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ विभिन्न प्रतियोगिताएं-अमृत सरोवरों में स्थानीय कलाकारों द्वारा देशभक्ति गीत, लोकनृत्य एवं नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुतियां दी जाएंगी। स्कूली छात्र-छात्राओं के लिए चित्रकला एवं निबंध प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया जाएगा। इन गतिविधियों के माध्यम से बच्चों और युवाओं को स्वतंत्रता दिवस के महत्व के साथ जल संरक्षण, स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया जाएगा।

गांव की शान और पहचान बनेंगे अमृत सरोवर

अमृत सरोवरों को ग्रामीण क्षेत्रों में जल संरक्षण, पर्यावरण सुरक्षा और सामुदायिक सहभागिता के सशक्त केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। स्वतंत्रता दिवस के आयोजन को लेकर कलेक्टर अजीत वसंत के मार्गदर्शन में जिला पंचायत सीईओ विनय कुमार अग्रवाल द्वारा जिले के सभी जनपद पंचायतों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं तथा संबंधित अधिकारियों को कार्यक्रमों की व्यवस्थित तैयारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

सरगुजा संभाग में 6 दिन में 62 हजार लोगों ने नशा छोड़ने ली प्रतिज्ञा

ब्रह्माकुमारीज के 10 करोड़ नशा मुक्ति प्रतिज्ञा अभियान को मिला भारी समर्थन

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय द्वारा संस्थान की पूर्व मुख्य प्रशासिका दादी प्रकाशमणि की पुण्य स्मृति में संचालित राष्ट्रव्यापी 10 करोड़ नशा मुक्ति प्रतिज्ञा महाअभियान को सरगुजा संभाग में अपार जनसमर्थन मिल रहा है।

अभियान 6 अगस्त से 20 अगस्त तक चलाया जा रहा है। शुरुआती 6 दिनों में ही सरगुजा संभाग में विभिन्न विद्यालयों, महाविद्यालयों, संस्थानों के विद्यार्थी, युवा एवं आम नागरिकों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लेते हुए नशा नहीं करने और दूसरों को जागरूक करने की संकल्पबद्ध प्रतिज्ञा ली। अभियान के तहत अलग-अलग क्षेत्रों में आयोजित नशा मुक्ति कार्यक्रमों के माध्यम से अब तक कुल 63 हजार से अधिक लोगों ने नशा मुक्ति का संकल्प लिया है। कार्यक्रमों के दौरान ब्रह्माकुमारीज के वक्ताओं ने युवाओं को नशे से होने वाले शारीरिक, मानसिक, सामाजिक, पारिवारिक और आर्थिक नुकसान के प्रति

जागरूक किया। साथ ही राजयोग ध्यान और आध्यात्मिक सशक्तिकरण के माध्यम से व्यसन मुक्त जीवन जीने की सरल विधियां भी बताई गईं।

देशभर में 1 करोड़ से अधिक लोग जुड़े

संस्था की सरगुजा संभाग प्रभारी बी.के. विद्या ने बताया कि यह अभियान 20 अगस्त तक निरंतर जारी रहेगा। इसका मुख्य उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक नशा मुक्ति का संदेश पहुंचाकर एक स्वस्थ और नशा-मुक्त समाज का निर्माण करना है। उन्होंने बताया कि अभी तक पूरे भारत में कुल 1 करोड़ 13 हजार 378 लोगों ने अभियान के अंतर्गत नशामुक्ति की प्रतिज्ञा की है। विद्यालयों और महाविद्यालयों में

आयोजित कार्यक्रमों में छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। प्रतिज्ञा के साथ उन्होंने अपने परिवार और मित्रों को भी नशे से दूर रखने का संकल्प दोहराया।

सरस्वती शिक्षा महाविद्यालय में पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लेकर घर-घर वृक्षारोपण

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सरस्वती शिक्षा महाविद्यालय, सुभाषनगर की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा संचालित हर घर तिरंगा अभियान 2026 के अंतर्गत 12 अगस्त को घर-घर वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. श्रद्धा मिश्रा के मार्गदर्शन एवं विभागाध्यक्ष रानी रजक के नेतृत्व में संपन्न हुआ। हर घर तिरंगा अभियान 2026 की शुरुआत 9 अगस्त को हो चुकी है। यह 17 अगस्त तक चलेगा। स्वतंत्रता दिवस पूर्व से चलाया जा रहा यह जन-आंदोलन राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् के 150वें वर्ष को समर्पित है। इसी क्रम में पर्यावरण संरक्षण एवं हरित वातावरण के निर्माण के उद्देश्य से बी.एड के स्वयंसेवकों ने अपने-अपने घरों में वृक्षारोपण किया। साथ ही आसपास के क्षेत्रों में पौधे लगाने के लिए प्रेरित किया गया। स्वयंसेवकों ने फलदार, छायादार एवं औषधीय पौधों का रोपण किया। सभी ने उत्साहपूर्वक इसमें सहभागिता निभाई और पौधों की देखभाल एवं संरक्षण का संकल्प लिया। इस दौरान उन्हें वृक्षों के महत्व, पर्यावरण संतुलन, वायु प्रदूषण नियंत्रण तथा जल संरक्षण में पे?ों की भूमिका के बारे में जानकारी भी दी गई। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य लोगों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना और हरित एवं स्वच्छ वातावरण के निर्माण में सामूहिक भागीदारी सुनिश्चित करना था। कार्यक्रम में प्राचार्य के अलावा सहायक प्राध्यापक प्रियलता जायसवाल, उर्मिला यादव, मिथलेश कुमार गुर्जर, सविता यादव, सीमा बंजारे, पूजा रानी, ज्योत्सना राजभर, अर्चना सोनवानी, स्मिता सिन्हा, गोल्डन सिंह, अजीत सिंह परिहार, नितेश कुमार यादव एवं बी.एड के प्रशिक्षणार्थी उपस्थित रहे।

शपथ के साथ हुआ समापन

इस अवसर पर सभी ने अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल करने का संकल्प लिया। घर-घर वृक्षारोपण कार्यक्रम के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का संदेश जन-जन तक पहुंचाने में सफलता मिली।

मवेशी तस्करी मामले में दो आरोपी गिरफ्तार, 5 भैंस बरामद

छ.ग.फ्रंटलाइन बलरामपुर। जिले के थाना बसंतपुर पुलिस ने मवेशियों को क्रूरतापूर्वक हांककर उत्तर प्रदेश के बूचड़खाने ले जाने के मामले में कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 5 भैंस बरामद की थी। गिरफ्तार दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया। पुलिस के अनुसार, बीते 4 अगस्त को मुखबिर से सूचना मिली थी कि कुछ लोग 5 भैंसों को क्रूरतापूर्वक मारते-पीटते हुए उत्तर प्रदेश के बूचड़खाने ले जा रहे हैं। सूचना पर पुलिस टीम ने घेराबंदी करके सभी मवेशियों को बरामद किया और मामले में अपराध दर्ज कर जांच शुरू की। पूछताछ के दौरान पूर्व में पकड़े गए आरोपी उमेश यादव ने पुलिस को बताया कि वह उत्तर प्रदेश के पोखरा निवासी सद्दाम खान के साथ मवेशियों को हांककर ले जा रहा था। पुलिस ने जांच आगे बढ़ाते हुए सद्दाम खान को 12 अगस्त को हिरासत में लिया और पूछताछ की, तो उसने एक अन्य साथी के साथ मवेशियों को हांकने तथा नंदलाल गोड़ द्वारा मवेशियों को खरीदकर अपने घर में रखने की जानकारी दी। मामले में पुलिस ने सद्दाम खान (32) निवासी ग्राम पोखरा, थाना बभनी, उत्तर प्रदेश और नंदलाल गोंड (27) निवासी बहुलापाठ, थाना बसंतपुर को विधिवत गिरफ्तार करके न्यायालय के समक्ष पेश किया है।

जरही मंडल में आज निकलेगी भव्य तिरंगा यात्रा

राष्ट्र गौरव का संदेश देने जुटेंगे कार्यकर्ता और आम नागरिक

छ.ग.फ्रंटलाइन जरही। हर घर तिरंगा अभियान के तहत भारतीय जनता पार्टी जरही मंडल द्वारा आज 13 अगस्त को भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया जाएगा।

राष्ट्रभक्ति और राष्ट्रीय एकता के संदेश के साथ आयोजित होने वाली इस यात्रा को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह है। यात्रा में भाजपा के पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं के साथ ही मंडल क्षेत्र के आम नागरिक, माताएं एवं बहनें भी बड़ी संख्या में शामिल होंगी।

प्रदेश संगठन के निर्देशानुसार आयोजित इस तिरंगा यात्रा का आयोजन जिला अध्यक्ष मुरली मनोहर सोनी के मार्गदर्शन तथा प्रतापपुर विधायक शकुंतला सिंह पोर्ते के नेतृत्व में किया जा रहा है। तिरंगा यात्रा का शुभारंभ दोपहर 12.30 बजे दुर्गा पंडाल ऊर्जानगर, नगर पंचायत जरही से किया जाएगा। यहां से भाजपा कार्यकर्ता और नागरिक हाथों में तिरंगा लेकर राष्ट्रभक्ति एवं एकता का संदेश देते हुए यात्रा में शामिल होंगे। कार्यक्रम में जरही मंडल अंतर्गत निवासरत प्रदेश कार्यसमिति के सदस्य, जिला पदाधिकारी, विभिन्न मोर्चों के अध्यक्ष एवं महामंत्री, मंडल के पदाधिकारी, शक्ति केंद्र प्रभारी, संयोजक एवं सह-संयोजक, भाजपा के वरिष्ठ सदस्य तथा बड़ी संख्या में ऊर्जावान कार्यकर्ताओं को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया है। इसके साथ ही मंडल क्षेत्र के सभी सम्मानित नागरिकों, माताओं एवं बहनों से भी इस राष्ट्रगौरव के आयोजन में बढ़-चढ़कर शामिल होने की अपील की गई है।

बूथ स्तर तक पहुंचेगा तिरंगे का संदेश

भाजपा जरही मंडल द्वारा तिरंगा यात्रा को व्यापक रूप देने के लिए बूथ स्तर पर भी विशेष तैयारी की गई है। मंडल के सभी बूथ अध्यक्षों एवं बूथ प्रभारियों को अपने-अपने बूथ क्षेत्रों में तिरंगा यात्रा का आयोजन करने के निर्देश दिए गए हैं। संगठन ने कार्यक्रम के बाद उसकी फोटोग्राफ एवं तस्वीरें मंडल ग्रुप तथा सरल ऐप में अपलोड करना भी अनिवार्य रूप से सुनिश्चित किया गया है।

तिरंगा यात्रा को बनाएं ऐतिहासिक

भाजपा जरही मंडल ने सभी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और आम नागरिकों से निर्धारित समय व स्थान पर पहुंचने की अपील की है। यह केवल एक यात्रा नहीं बल्कि राष्ट्र के प्रति सम्मान और देशभक्ति की भावना को प्रदर्शित करने का अवसर है। भाजपा जरही मंडल अध्यक्ष मुकेश सिंह, मंडल महामंत्री लाल साय सिंह पावले एवं मंडल महामंत्री दीपक मिश्रा ने सभी भाजपा कार्यकर्ताओं, वरिष्ठ सदस्यों, माताओं-बहनों और क्षेत्रवासियों से अधिक से अधिक संख्या में तिरंगा यात्रा में शामिल होने की अपील की है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक- मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व आफसेट पुराना पोस्ट ऑफीस रोड दर्रीपारा अम्बिकापुर पिन नं. 497001 (छत्तीसगढ़) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-रणविजय सिंह तोमर